हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,बुधवार | 26 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :55 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

शिक्षा सभी का अधिकार, लेकिन निजी और प्राइवेट विद्यालयों की फीस वृद्धि पर अंकुश लगना जरूरी: धीरेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली: आज दिनांक 25 फरवरी 2025 को जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बजट पर चर्चा करते हुए, एनसीआर क्षेत्र में लगातार निजी और प्राइवेट विद्यालयों की फीस वृद्धि का मुद्दा विधानसभा में उठाया। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि "प्राइवेट विद्यालयों में बढ़ती हुई फीस अब आम आदमी की पहुंच से दूर हो रही है, जिस पर अंकुश लगाना बहुत जरूरी है।जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने विधानसभा में अपने भाषण में आगे कहा कि "घरों की रजिस्ट्री और रुके प्रोजेक्ट शुरू कराए जाने हेतु अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों को लागू होने से एनसीआर क्षेत्र के साथ-साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा व प्रदेश के फ्लैट खरीदारों को राहत मिलेगी।" जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने विगत बजट सत्र में लिफ्ट और एस्केलेटर अधिनियम लागू होने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और ऊर्जा मंत्री श्री एके शर्मा जी का आभार व्यक्त किया।

जेपी नड्डा ने बिहार बीजेपी कोर कमेटी की बैठक ली,

विधानसभा चुनाव में जीत का मंत्र दिया

जेपी नड्डा ने मंगलवार दोपहर बाद बीजेपी कोर कमेटी की बैठक ली। इसमें विनोद तावड़े, दिलीप जायसवाल, गिरिराज सिंह समेत कई नेता मौजूद रहे।

एजेंसी

पटना: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को पटना में बिहार बीजेपी कोर कमेटी की बैठक ली। इसमें बीजेपी के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह एवं नित्यानंद राय, दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा समेत अन्य मंत्री और पार्टी के शीर्ष नेता मौजूद रहे। इस बैठक में नड्डा ने बीजेपी नेताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत का मंत्र दिया। उन्होंने प्रदेश नेताओं से फीडबैक लिया एनडीए के संयुक्त अभियान के प्रभाव के बारे में भी जानकारी ली।दो दिवसीय बिहार दौरे पर आए जेपी नड्डा मंगलवार शाम में बीजेपी कोर कमेटी की बैठक के बाद दिल्ली के लिए रवाना हो गए। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने एचटी को कहा, ह्लएनडीए एकजुट है, लेकिन

आगामी चुनाव में कई फैक्टर पर चर्चा की आवश्यकता है। एनडीए बिहार चुनाव में 225 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसके लिए मजबूत रणनीति बनाने और उसके क्रियान्वयन की जरूरत है। लोकसभा चुनाव 2024 में कमजोर प्रदर्शन और उसके बाद दिल्ली, हरियाणा एवं महाराष्ट्र में लगतार जीत के बाद पार्टी में आए उत्साह के अनुरूप आगे की रणनीति बनाई जा रही है।उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव से पहले एनडीए के घटक दलों के बीच सीट बंटवारा एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। समय रहते सीट बंटवारा और उम्मीदवारों का चयन करना जरूरी होगा।बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार एनडीए में नेतृत्व का कोई मुद्दा नहीं है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में बदलाव के लिए नीतीश कुमार की तारीफ कर चुके हैं। नीतीश बिहार में एक स्वीकार्य और विश्वसनीय चेहरा हैं। उनके नाम पर कोई संदेह नहीं है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार सुबह पटना के सरकारी गेस्ट हाउस में जाकर जेपी नड्डा से मुलाकात भी की। दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बिहार के मौजूदा राजनीतिक हालातों और आगामी चुनाव को लेकर चर्चा हुई।

जेपी नड्डा से मिलने गेस्ट हाउस पहुंचे नीतीश कुमार, दोनों के बीच आधे घंटे हुई बात

एजेंसी

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को बिहार दौरे पर आए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने पटना स्थित सरकारी गेस्ट हाउस पहुंचे।दोनों नेताओं के बीच आधे घंटे से अधिक समय तक बातचीत हुई। नड्डा और नीतीश ने आगामी विधानसभा चुनाव और बिहार के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की। इस दौरान बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा के अलावा जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी समेत अन्य नेता मौजूद रहे।बीजेपी अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे थे। सोमवार को गया में एक शादी समारोह में शिरकत करने के बाद वे देर शाम पटना आए। उन्होंने पटना में ही रात्रि विश्राम किया। इसके बाद मंगलवार को वे पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के शताब्दी समारोह में शामिल हुए।इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद रहे।जेपी नड्डा और नीतीश कुमार की मुलाकात के बाद सियासी गलियारे में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। बिहार में एनडीए पहले से ही 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ है। एनडीए के नेता एकजुटता दिखाते हुए सभी जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नीतीश एवं मोदी सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जा रहे हैं। बीजेपी के नेता नीतीश के नेतृत्व में ही आगामी चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं।जेपी नड्डा और नीतीश कुमार की मुलाकात के बाद सियासी गलियारे में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। बिहार में एनडीए पहले से ही 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ है। एनडीए के नेता एकजुटता दिखाते हुए सभी जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नीतीश एवं मोदी सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जा रहे हैं। बीजेपी के नेता नीतीश के नेतृत्व में ही आगामी चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं।

योगी को महाकुंभ के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए :बनर्जी

एजेंसी

पश्चिम बंगाल:कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत होने का आरोप लगाते हुए मांग की कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों के परिवारों के लिए घोषित मुआवजा तत्काल जारी करे। बनर्जी ने इस दावे पर भी सवाल उठाया कि इस वर्ष महाकुंभ मेला 144 वर्षों के अंतराल के बाद हो रहा है तथा उन्होंने विशेषज्ञों से इस दावे की सत्यता की जांच करने का आग्रह किया।बनर्जी ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, मैं उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करती हूं कि चूंकि उन्होंने कुंभ मेले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है, इसलिए उन्हें तत्काल यह राशि जारी करनी चाहिए।उत्तर प्रदेश सरकार ने कुंभ मेले के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।ममता बनर्जी ने महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत होने का आरोप लगाते हुए मांग की।

क्या BJP में शामिल होंगे शशि थरूर, पीयूष गोयल के साथ साझा की फोटो, अब अटकलें तेज

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस नेतृत्व के साथ अपने मतभेदों की अफवाहों के बीच, सांसद शशि थरूर ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार और व्यापार राज्य सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ एक सेल्फी पोस्ट की। उन्होंने एक्स पर लिखा, "अपने भारतीय समकक्ष, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की कंपनी में ब्रिटेन के व्यापार और व्यापार राज्य सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ शब्दों का आदान-प्रदान करके अच्छा लगा। लंबे समय से रुकी हुई एफटीए वार्ता फिर से शुरू हो गई है, जो स्वागत योग्य है।कथित तौर पर केरल लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) सरकार की औद्योगिक नीति की

प्रशंसा करने के लिए शशि थरूर को पार्टी के भीतर से आलोचना का सामना करना पड़ा था। एक्स पर शशि थरूर की गूढ़ पोस्ट ने अटकलों को और हवा दे दी। उन्होंने शनिवार को लिखा, "जहां अज्ञानता आनंद है, वहां बुद्धिमान होना मूर्खता है।" रविवार को उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर उनके नेतृत्व की जरूरत नहीं है तो उनके पास दूसरे विकल्प भी हैं। एक रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया है कि अगर पार्टी इसका उपयोग करना चाहती है, तो मैं पार्टी के लिए वहां मौजूद रहूंगा। यदि नहीं, तो मेरे पास करने के लिए अपने काम हैं। आप यह न सोचें कि मेरे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। मेरे पास बातचीत करने के लिए दुनिया भर से मेरी किताबें, भाषण, निमंत्रण हैं। उन्होंने एक अखबार के मलयालम पॉडकास्ट में कहा कि अगर कांग्रेस ने केरल में अपनी अपील बढ़ाने की कोशिश नहीं की तो वह केरल में लगातार तीसरी बार विपक्ष में बैठेगी।

नकारात्मकता चरम पर हो तो गरिमा का ख़्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों में प्रकट होती है: अखिलेश

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का ख़्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। सपा प्रमुख यादव ने सोमवार की रात अपने आधिकारिक एक?स खाते पर एक पोस्ट में कहा ...लेकिन महाकुंभ में जिन्होंने अपनों

को तलाशा, उन्हें हमेशा के लिए खो गए अपने परिजन का नाम न तो मृतकों की सूची में मिला और न ही खोया-पाया के रजिस्टर में। इसी पोस्ट में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा और उनको आत्म प्रचार का माध्यम मिला, लेकिन उन्होंने अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया और वाणी पर संतुलन को भी। यादव ने आगे कहा अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का ख़्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। ह्लह्ल सपा प्रमुख ने कहा कि ह्यमहाकुंभह्ल जैसे पावन पर्व के संबंध में बोलते समय शब्दों का चयन, इस अवसर के मान और प्रतिष्ठा के अनुकूल होना चाहिए।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को बड़ी राहत, पुलिस पर हमला मामले में कोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की एक अदालत ने लोक सेवकों के काम में बाधा डालने से जुड़े एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को मंगलवार को अग्रिम जमानत दे दी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस शर्त पर उनकी जमानत मंजूर की कि वह 25,000 रुपये के बांड और इतनी ही राशि की जमानत राशि जमा करेंगे। दिल्ली पुलिस ने 10 फरवरी को जामिया नगर इलाके में हुई एक घटना को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन पर हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी के जामिया नगर में दिल्ली पुलिस

टीम पर हुए हमले को लेकर मामला दर्ज किया गया था।खान, जो आधिकारिक कर्तव्यों में बाधा डालने के आरोपों पर कानूनी परेशानी का सामना कर रहे थे, को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा मिली, जिससे उन्हें तत्काल हिरासत से राहत मिली। हालांकि, राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया और कानूनी कार्यवाही के तहत उन्हें जांच में शामिल होने के लिए कहा गया है। दिल्ली पुलिस ने खान से पूछताछ करने और यह पता लगाने के लिए उनकी हिरासत मांगी थी कि क्या वह भी कथित हमले के समय घटनास्थल पर मौजूद थे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और गवाहों के बयान भी अदालत के रिकॉर्ड पर रखे।दिल्ली पुलिस ने 10 फरवरी को हुई घटना के संबंध में ओखला से विधायक खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी और आरोप लगाया था।

स्टालिन का आरोप, भाषा युद्ध के बीज बो रहा है केंद्र,

राज्य पर हिंदी नहीं थोपने देंगे, अन्नामलाई ने किया पलटवार

एजेंसी

तमिलनाडु: तमिलनाडु में भाषा को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने आज एक बार फिर से केंद्र पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया और कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो राज्य "एक और भाषा युद्ध के लिए तैयार" है। उनकी टिप्पणी केंद्र की तीन-भाषा नीति पर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है। स्टालिन ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित एक पत्र में कहा, यही कारण है कि हम द्विभाषी नीति (तमिल और अंग्रेजी) का पालन कर रहे हैं ह्लह्ल उन्होंने दावा किया कि भारत के कई राज्यों ने नीति पर तमिलनाडु द्वारा निर्धारित मार्ग और उसके दृढ़ रुख को समझा है और उन्होंने अपनी चिंताएं व्यक्त करना शुरू कर दिया है। एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने लगातार तीन-भाषा नीति का विरोध किया है। सत्तारूढ़ दल ने बार-बार 1965 के हिंदी विरोधी आंदोलन का हवाला दिया है, जिसके दौरान द्रविड़ आंदोलन ने हिंदी थोपने का सफलतापूर्वक विरोध किया था। हिंदी का वर्चस्व समाप्त नहीं होने तक इसके खिलाफ संघर्ष जारी रखने का आश्वासन देते हुए स्टालिन ने कहा, हम एक आंदोलन के वंशज हैं, जिसमें एक सिद्धांतवादी सेना थी जिसने तमिल की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। स्टालिन ने कहा कि 1965 से ही द्रमुक का अनेक बलिदान के माध्यम से हिंदी से मातृकी रक्षा करने का इतिहास रहा है।

सज्जन कुमार को बड़ा झटका,

1984 सिख दंगों में बाप-बेटे को जिंदा जलाने के मामले में आजीवन कारावास की सजा

एजेंसी

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों, विशेष रूप से सरस्वती विहार हिंसा मामले में उनकी भूमिका के लिए पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह कुमार को दी गई दूसरी आजीवन कारावास की सजा है, जो पहले से ही दिल्ली छावनी दंगा मामले में शामिल होने के लिए सजा काट रहे हैं। पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को 12 फरवरी को दंगा, गैरकानूनी सभा और हत्या आदि से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था।इससे पहले सिख विरोधी दंगों से संबंधित हत्या के एक मामले में अभियोजन पक्ष ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के लिए मृत्युदंड की अपील की और इसे ह्यदुर्लभतमह्ल अपराध करार दिया था। कुमार फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की एक नवंबर 1984 को हत्या कर दी गयी थी। हत्या के सिलसिले में पंजाबी बाग थाने ने मामला दर्ज

किया था लेकिन बाद में एक विशेष जांच दल ने जांच की जिम्मेदारी ले ली थी। अदालत ने 16 दिसंबर 2021 को कुमार के खिलाफ आरोप तय किए और उनके खिलाफ ह्यप्रथम दृष्टयाह्ल मामला पाया। कांग्रेस के उस समय के प्रभावशाली नेता और सांसद रहे कुमार वर्ष 1984 में एक और दो नवंबर को दिल्ली की पालम कॉलोनी में पांच लोगों की हत्या के मामले में आरोपी थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस मामले में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और सजा को चुनौती देने वाली उनकी अपील सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद, घातक हथियारों से लैस भीड़ ने बड़े पैमाने पर लूटपाट एवं आगजनी की थी और सिख समुदाय के लोगों की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया था। इस मामले में जसवंत सिंह की पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार भीड़ ने घर में घुसकर सिंह एवं उनके बेटे की हत्या कर दी थी और सामान लूटकर घर को आग के हवाले कर दिया था। कुमार पर मुकदमा चलाते हुए अदालत ने कहा था कि प्रथम दृष्टया यह मानने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि वह न केवल एक भागीदार थे, बल्कि उन्होंने भीड़ का नेतृत्व भी किया था ह्लह्ल हिंसा और उसके बाद की घटनाओं की जांच के लिए गठित नानावटी आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, दंगों के संबंध में दिल्ली में 587 प्राथमिकी दर्ज की गई थीं।

एनडीए ने किया विस्तारित बैठक,

27 को होगा पटेल मैदान में कार्यकर्ता सम्मेलन, भारी संख्या भाग लें : दुर्गेश राय

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मंगलवार को लोहिया आश्रम में जनता दल यूनाइटेड की एक विस्तारित बैठक जिला अध्यक्ष डॉक्टर दुर्गेश राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष, प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष, जिला पार्टी के पदाधिकारी गण, कार्यकारिणी के सदस्य गण, विधानसभा प्रभारी गण एवं पार्टी के प्रमुख साथियों को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश महासचिव सह प्रदेश पार्टी के मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह ने 27 फरवरी 2025 को पटेल मैदान में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए जिले के हर पंचायत से एनडीए के कार्यकताओं को पटेल मैदान में आने का निमंत्रण दिया। इस सम्मेलन में एनडीए के सभी घटक दल के प्रदेश अध्यक्ष एवं इस जिले से एनडीए के सभी सांसद, विधायक, पूर्व विधायक एवं एनडीए के हजारों कार्यकर्ता शामिल होंगे। जदयू के जिला अध्यक्ष डॉक्टर दुर्गेश राय ने कहा कि एनडीए का यह कार्यकर्ता सम्मेलन आने वाले विधानसभा चुनाव में जिले के सभी विधानसभा सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों के जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में उजियारपुर के पूर्व सांसद अश्वमेघ देवी, प्रमंडल प्रभारी भूमि पाल राय, विधान पार्षद डॉ तरुण कुमार चौधरी, विधायक वीरेंद्र पासवान, नीलम सहनी,
अनुपम कुमार सिंह उर्फ हीरा सिंह, विनोद कुमार चौधरी, धीरज ठाकुर, प्रो विजय शर्मा, मुकेश कुमार सिंह, सुबोध सिंह, पुर्व विधायक राजकुमार राय, विद्यासागर सिंह निषाद, मंजू कुमारी, बनारसी ठाकुर, धीरेन्द्र सिंह, रामचन्द्र सिंह कुशवाहा, रायबहादुर सिंह, धर्मदेव सिंह कुशवाहा, शकुंतला वर्मा, प्रो तकी अख्तर, सुबोध कुमार सिंह, अनस रिजवान, राजीव सिंह, रंधीर कुमार, ठाकुर राजीव सिंह, अब्दुस समद खां, जिला सचिव संतोष कुमार साह, शिव शंकर महतो, अफजाल अहमद उर्फ उजाले, मो तौहीद अंसारी उर्फ नन्हें आदि मौजूद थे।

मधुबनी जिला के औंसी थाना अध्यक्ष विकास के नेतृत्व में नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के औंसी थाना अध्यक्ष विकास के नेतृत्व में नशा मुक्ति कार्यक्रम में लोगों को नशा से दूर रहने की सलाह दी गई और हम सब ने ठाना है बिहार को नशा मुक्त बनाना है के नारे से लोगों में जागरूकता लाया गया कार्यक्रम को जीरो माइल चौक समेत कई जगह पर जागरूकता अभियान नशा मुक्ति अभियान चलाया गया वही दार्जिलिंग पब्लिक स्कूल कैंपस में नशा मुक्ति कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में भी अवेयरनेस लाया गया उन्हें यह बताया गया कि अपने-अपने गार्जियन को जाकर यह बताएं कि नशा एक बुरी लत है नशा का सेवन करने वाले लोग हमेशा उसकी बुद्धि नष्ट हो जाती है नशा बहुत ही बुरी आदतों में से एक बुरी आदत है
हम सब ने ठाना है नशा मुक्त बिहार बनाना है इस अवसर पर दार्जिलिंग पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर कृष्णकांत कुमार निराला, औसी थाना अध्यक्ष विकास कुमार अपरथाना अध्यक्ष विक्रम कुमार, एस आई कुमार राजेश, ए.एसआई जवाहर प्रसाद .पंकज कुमार. राहुल कुमार बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित थे।

इंसानियत कांफ्रेस में अच्छी कार किरदगी के लिए यहां के दानिश्वर लोगों ने औंसी थाना अध्यक्ष एवं सभी पुलिस पदाधिकारी को किया सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के बिस्फी थाना क्षेत्र के औंसी में तामीर-ए-इंसानियत कांफ्रेस मदरसा महमूदिया औंसी बिचला टोला बिस्फी मधुबनी किया गया इस अवसर पर दानिश वरों ने कांफ्रेस में अच्छी कार किरदगी के लिए यहां के दानिश्वर लोगों ने
औंसी थाना अध्यक्ष विकास कुमार, अपरथाना अध्यक्ष विक्रम कुमार, एस आई कुमार राजेश, ए. एसआई जवाहर प्रसाद . पंकज कुमार. राहुल कुमार को सममानित किए गया
थाना अध्यक्ष एवं सभी पुलिस पदाधिकारी को सम्मानित किया गया इस अवसर पर सभी दानिश वारों ने औसी थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी को पाग शाल से स्वागत किया गया और उन्हें अच्छी कारकीरदगी के लिए सभी ने बधाई दी ' इस अवसर पर
शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष नूर आलम, मास्टर मो.असरार,मो0 नूर आलम, जदयू नेता मो0 अली, डाङ्क असलम, मौलाना मंजर बेलाल, मो0 शकील,मो. जकि उर्फ पमु, मो.इफ़्तेखार जिलानी, कमरुजमा, समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे

मशरक में दो दिवसीय अखंड अष्टयाम कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मशरक प्रखंड क्षेत्र के डुमरसन पंचायत के बंगरा पोखरा अवस्थित शिव मंदिर परिसर और चरिहारा गांव में राम जानकी शिव मंदिर के प्रांगण में दो दिवसीय अखंड अष्टयाम भव्य कलशयात्रा से शुभारंभ की गयी। डुमरसन बंगरा में शिव मंदिर परिसर से आचार्य अवधेश बाबा,मनोज बाबा ने वैदिक मंत्रोच्चार से यजमान राजकिशोर प्रसाद और धर्मपत्नी रेखा देवी को पवित्र कलश विधिः विधान से पूजा-अर्चना कर सौंपा। जहा मंदिर परिसर से मुखिया बच्चा लाल साह के नेतृत्व में कलशयात्रा यात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों पीला वस्त्र धारण किए कन्याओं और महिलाओं ने पवित्र कलश लेकर डुमरसन बाजार होते हुए लखनपुर गोलम्बर पर पहुंची जहा पूजा-अर्चना के बाद गंडक नदी से लाया गया पवित्र जल कलश में भरा गया और पुनः कलशयात्रा मंदिर परिसर पहुंची जहा आचार्य ने दो दिवसीय अखंड अष्टयाम में राम नाम संकीर्तन का शुभारंभ कराया। मौके पर मुखिया बच्चा लाल साह, रोहित गुप्ता, शत्रुघ्न प्रसाद,बिदा लाल भगत,श्री राम भगत, रंजीत कुशवाहा, सर्वजीत प्रसाद,अशोक ठाकुर, चंदन भगत, बब्लू कुमार समेत अन्य मौजूद रहें। वहीं मौके पर थाना पुलिस के पदाधिकारी रमेश कुमार, सुनील सिंह समेत पुलिस बल मौजूद रहें। वही क्षेत्र के बंगरा पंचायत के चरिहारा गांव अवस्थित राम-जानकी शिव मंदिर के परिसर में दो दिवसीय अखंड अष्टयाम भव्य कलशयात्रा से शुभारंभ की गयी। मंदिर परिसर से आचार्य बबन तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार से यजमान मंदिर के पुरोहित मरई बाबा उर्फ फलाहारी बाबा को पवित्र कलश विधिः विधान से पूजा-अर्चना कर सौंपा। जहा मंदिर परिसर से कलशयात्रा यात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों पीला वस्त्र धारण किए कन्याओं और महिलाओं ने पवित्र कलश लेकर घोघाड़ी नदी से जल कलश में भरा गया और पुनः कलशयात्रा मंदिर परिसर पहुंची जहा आचार्य ने दो दिवसीय अखंड अष्टयाम में राम नाम संकीर्तन का शुभारंभ कराया। मौके पर कांग्रेस नेता शैलेश सिंह, अखिलेश सिंह,राहुल सिंह, मनीष सिंह , विनय सिंह,पुटूक सिंह , धर्मेंद्र सिंह, सुनील सिंह, दिनेश सिंह काका समेत अन्य मौजूद रहें।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो घायलों में एक की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बंगरा पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो शख्स को गंभीर हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ अनंत नारायण कश्यप ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। जहा इलाज के दौरान मंगलवार को मौत हो गई। मृतक मशरक के घोघिया गांव निवासी शैलेश राम का 22 वर्षीय पुत्र रंजीत राम है और घायल स्व हीरा राम का 35 वर्षीय पुत्र रविन्द्र राम हैं। घटना के बारे में थाना पुलिस गश्ती दल के अधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि गश्ती के लिए एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर थे कि सूचना मिली कि बंगरा पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार दो शख्स घायल हालत में पड़े हुए हैं जिन्हें गश्ती वाहन में लाद इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया और परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों ने बताया कि दोनों पिता के श्राद्ध कर्म का नेवता देने रिश्तेदारी में गए थे।

महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में नारायण सेवा समिति के द्वारा दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान अष्टयाम को लेकर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- डीएसपी , डिप्टी कमांडेंट , मुख्य पार्षद , जयनगर चैम्बर के पदाधिकारियों व आयोजकों ने फीता काटकर उद्घाटन किया
- भजन किर्तन हैं ईश्वर की आराधना का सुगम मार्ग :- आयोजक
- जय श्री राम के उद्घोष जयकारे के साथ गुंजयमान और भक्ति मय हुआ नगर

मधुबनी जयनगर नारायण सेवा समिति के तत्वावधान में सर्व कल्याण हेतु महाशिवरात्रि के शुभ अवसर के उपलक्ष्य में मेन रोड स्थित शान गली में आयोजित दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान और श्री श्री 108 श्री सीताराम नाम अष्टयाम एवं भक्तिमय भजन कीर्तन सांस्कृतिक कार्यक्रम व भंडारा आयोजन को लेकर अनुष्ठान स्थल से जय सियाराम जय वीर हनुमान हर हर महादेव के उद्घोष जय कारें के साथ श्रद्धालुओं के द्वारा हाथो में ध्वज लिये बैंड बाजे ढोल नागरें के साथ झूमते हुए भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा पूजन स्थल से शुरू होकर शहर भ्रमण करते हुए पवित्र माँ कमला नदी पहुँची माँ कमला की विधि वत पूजा अर्चना कर शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के द्वारा कलशों में जल बोझकर अनुष्ठान पूजन स्थल के लिए रवाना हुए । शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुभक्तजनो के द्वारा जय सियाराम हर हर महादेव के जयकारें लगा रगे थे जय श्री राम के उद्घोष से क्षेत्र गुंजयमान हो रहा था। कलश शोभायात्रा क्षेत्र भर्मण करते हुए अनुष्ठान स्थल पहुँचे पूजन स्थल पर पंडित राजू तिवारी के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ देवी देवताओं की विधि वत पूजा अर्चना कर कलशों को स्थापित किया गया । कलश शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अतिथि एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट विवेक ओझा, डीएसपी विपल्व कुमार, मुख्य पार्षद कैलाश पासवान, उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अरविंद तिवारी, जयनगर चैम्बर ऑफ कॉमर्स के महासचिव अनिल बैरोलिया, सचिव पवन यादव , शांति देवी , अनिल मुखिया समेत अन्य अतिथियों व आयोजकों के द्वारा दिप प्रज्वलित कर और फीता काटकर धार्मिक अनुष्ठान अष्टयाम का उद्घाटन किया गया। आयोजन समिति के सदस्यों के द्वारा अतिथियों को पाग दोपट्टा पहनाकर स्वागत कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इसके पश्चात विभिन्न मंडलियों के द्वारा भक्ति मय भजन कीर्तन श्री सीता राम नाम जप जय जय जय सीताराम गौड़ी शंकर जय हनुमान जय घोष लगा कर झूमते नाचते गाते भजन कीर्तन भक्ति मय सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजकों ने बताया कि ईश्वर की आराधना का सबसे सुगम मार्ग भजन कीर्तन हैं। विगत वर्षों के भांति ईस वर्ष भी सभी के सहयोग से दो दिवसीय भव्य अष्टयाम ,विशेष पूजा, पाठ, हवन, रामायण पाठ , विभिन्न मंडलियों के द्वारा भजन कीर्तन, देवी देवताओं की झांकिया , महा भंडारा धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन सभी के शुभ मंगल की कामना, सर्व कल्याण , विश्व मे शांति बना रहा हैं , व्यपाड़ में बढ़ोतरी, विश्व मे शांति , मुल्क की तरक्की, आपसी भाई चारा, प्रेम ,सद्भाव, महामारी व विपदाओं से बचाव को लेकर यह दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा हैं।

31 मार्च तक ई-केवाईसी नहीं करानें वाले राशनकार्ड धारकों नही मिलेगा राशन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी चंदन कुमार की अध्यक्षता में विभिन्न पंचायतों के जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में 31 मार्च तक राशनकार्ड से आधार सीडिंग कराना अनिवार्य है। इसको लेकर आधार ई-केवाईसी सीडिंग को लेकर विशेष चर्चा की गयी। बैठक में 31 मार्च तक सभी दुकानदारों को निर्देश दिया कि अपने-अपने दुकान के सभी कार्डधारी को आवश्यक रूप से ई-केवाईसी कराए । अनाज वितरण करने के साथ कार्डधारी का ई-केवाईसी कराने का भी निर्देश दिया गया। एमओ चंदन कुमार ने बताया कि 31 मार्च तक 100 प्रतिशत कार्डधारकों का ई-केवाईसी करना जरूरी है। जिनका भी ई-केवाइसी छूटा है वह डीलर से संपर्क कर अपना केवाइसी करवा लें ।मौके पर जन वितरण दुकानदार प्रशांत कुमार, बिट्टू सिंह,सुबोध सिंह, सुरेश सिंह, आशुतोष तिवारी,अजय सिंह, संजीव सिंह समेत अन्य मौजूद रहें।

सीएम कॉलेज, दरभंगा के उर्दू की तीन छात्रा यूजीसी नेट में सफल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

दरभंगा 25 फरवरीदरभंगा और इसके आसपास के क्षेत्र के लिए खुशी और गर्व का विषय है कि स्थानीय सीएम कॉलेज, दरभंगा के उर्दू विभाग में पढ़ने वाली तीन छात्राओं ने हाल ही में यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इन तीनों लड़कियों ने अपने विभाग के शिक्षकों की देखरेख में इसकी तैयारी की और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर सफल हुई हैं. यह जानकारी कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने दी है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि अगर हमारे छात्रों को शुरू से ही प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति आकर्षित किया जाए और पर्याप्त मार्गदर्शन दिया जाए तो वे अपने लक्ष्य में सफल हो सकते हैं, जैसा कि इन तीन लड़कियों ने सफल हो करके दिखाया है। ज्ञात हो कि पोस्ट ग्रेजुएट छात्रा वाजदा तबस्सूम (सत्र 2022-24), सबिला खातून (सत्र 2021-23) और गजल परवीन (सत्र 25-2023) ने हाल ही में दिसंबर 2024 यूजीसी नेट परीक्षा में भाग लिया और तीनों ने नेट पास कर लिया है। इनमें से दो ने लेक्चरशिप के लिए नेट और एक ने पीएचडी प्रवेश के लिए नेट में सफलता हासिल की है। प्रोफेसर अहमद ने बताया कि इस कॉलेज में फ्री नेट कोचिंग का इस्तेमाल करने वाले पांच छात्र सफल हुए हैं, जिनमें दो अन्य कॉलेजों के भी हैं. इन सभी की सफलता के लिए उर्दू के शिक्षक डॉ. खालिद अंजुम उस्मानी, डॉ. फैजान हैदर, डॉ. शबनम, डॉ. मुजाहिद इस्लाम और डॉ. मसरूर हादी बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने कॉलेज में ऐसा माहौल बनाने में अपना विशेष ध्यान और समर्पण दिखाया। प्रोफेसर अहमद ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम यह भी साबित करता है कि हमारी लड़कियाँ लड़कों की तुलना में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति अधिक गंभीर हैं और यदि उन्हें सुखद वातावरण प्रदान किया जाए, तो वे किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे परिणाम दे सकती हैं क्योंकि छात्रों ने यूजीसी नेट की राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में सफल होकर न केवल विभाग का नाम रोशन किया है, बल्कि अपने उज्ज्वल भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त किया है। उन्होंने इन विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी बधाई दी है कि उन्होंने इन बच्चों को उच्च शिक्षा की ओर आकर्षित किया है और उन्हें सफल बना रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि ये सभी लड़कियां ग्रामीण इलाकों से हैं और प्रतिदिन पाबन्दी के साथ-साथ नेट कोची?ंग का भी पूरी लगन से इस्तेमाल करती हैं।

आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट में दो जख्मी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के जनार्दनपुर गांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना में दो जख्मी हो गये। जिसे परिजनों के सहयोग से दोनों जख्मी को सामुदायिक अस्पताल कल्याणपुर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है ।जहां चिकित्सक ने जख्मियों की पहचान जनार्दनपुर गांव के रामनाथ राय के दो पुत्र 41 वर्षीय संतोष कुमार राय व भाई 30 वर्षीय अशोक कुमार के रूप में की गई। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ हैदर ने बताया कि बेहतर इलाज के लिए दोनों को समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

समाहरणालय में बाल संरक्षण और समाज कल्याण योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी

मो अरमान अलीसीतामढ़ीः समाहरणालय स्थित विमर्श कक्ष में बाल संरक्षण एवं जिला समाज कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों, बाल संरक्षण इकाई और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। बैठक में जिले में संचालित समाज कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और उनके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जरूरी निर्देश दिए गए। बाल संरक्षण, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, प्रखंड, पंचायत व वार्ड स्तरीय बाल कल्याण संरक्षण समिति की बैठक नियमित करने, परवरिश योजना, स्पांसरशीप, ट्रांसजेंडर, सामाजिक सुरक्षा के योजना परिवार लाभ योजना, कबीर अंत्येष्टि, राष्ट्रीय लक्ष्मी बाई योजनाओं सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा और पुनर्वास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे जरूरतमंद बच्चों एवं परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए समन्वय बनाकर कार्य करें। बच्चों की सुरक्षा और समाज कल्याण सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में वरीय उप समाहर्ता -सह- सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई प्रियंका कौशिक, पुलिस उपाधीक्षक -सह- विशेष किशोर पुलिस इकाई नजीब अनवर, डीपीओ कंचन कुमारी गिरि, सिविल सर्जन डॉ अखिलेश कुमार, सीपीओ गोविन्द राम, प्रथम संस्था के जिला समन्वयक सुधीर कुमार, सीडब्लूसी के सुनीता कुमारी, जेजेबी के सदस्य सुबोध राउत, श्रम विभाग के प्रतिनिधि चन्द्र नाथ राम, अब्दुल रहीम और प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी वीसी के माध्यम से भाग लियो

46 कार्टून अंग्रेजी शराब के साथ एक पिकअप, दो बाइक जब्त

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर पंचायत अंतर्गत एक ग्रामीण सड़क से कार्टून में बंद कर कारोबारी ले जा रहे थे। अचानक पुलिस को सूचना मिली, कारोबारी का पीछा करने लगी पिकअप पर लदी 22 कार्टून, बगल के मवेशी के घर से 20 कार्टून दो बाइक पर रखे चार कार्टून को बरामद किया। पुलिस गाड़ी को देखते ही कारोबारी सब फरार हो गये। इस संबंध में थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि सब मिलाकर 44 कार्टून अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है। कारोबारी की पहचान की जा रही है। आगे उन्होंने बताया कि भौलथा चौक चार मुहान चौक के समीप के पास बरामद किया गया है। उत्पाद अधिनियम के तहत अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। अंग्रेजी शराब बरामद करने में सक्रिय सहयोग करने वालों में अपर थानाध्यक्ष दीपक कुमार झा, एलटीएफटीम के प्रभारी राजनाथ कुमार सहित पुलिस बल शामिल थे।

विष्णुपुर पंचायत में सोशल ऑडिट ग्राम सभा का आयोजन, जनकल्याणकारी योजनाओं की हुई समीक्षा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी बेगूसराय मंगलवार को विष्णुपुर पंचायत सरकार भवन में केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के सोशल ऑडिट हेतु ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया प्रभा देवी ने की। बैठक में नल-जल योजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीडीएस, समाज कल्याण, भूमि सुधार, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, स्वच्छता अभियान सहित अन्य योजनाओं की प्रगति और प्रभाव की समीक्षा की गई। नल-जल योजना में गड़बड़ी, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी ग्राम सभा में नल-जल योजना को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। विष्णुपुर सैदपुर गांव में निर्मित निर्मल जल मीनार से अधिकांश वार्डों में पानी की आपूर्ति बाधित होने की शिकायतें सामने आईं। ग्रामीणों ने बताया कि यह पंप पिछले एक सप्ताह से बंद पड़ा है, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर विभागीय पदाधिकारी को शीघ्र समाधान का निर्देश दिया गया। ग्रामीण विकास कार्यों पर हुई चर्चा बैठक में पेवर ब्लॉक सोलिंग, चाहरदीवारी निर्माण,पौधारोपण, पीएम आवास योजना में वंचितों के नाम जोड़ने, जॉब कार्ड निर्माण, सोलर लाइट, सोख्ता निर्माण, पीडीएस, मिट्टी भराई एवं ग्रामीण भारत लोहिया फेज-2 के तहत संचालित स्वच्छता अभियान को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई।ग्राम सभा में गणमान्य लोग रहे उपस्थित इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि अमरेश पोद्दार उर्फ टुनटुन, पंचायत सचिव, वार्ड सदस्य, जीविका कर्मी, पीआरएस, आवास सहायक, विकास मित्र, स्वच्छता पर्यवेक्षक सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ग्राम सभा में आईं शिकायतों और सुझावों के आधार पर संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए, ताकि ग्रामीणों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

नशा मुक्ति को लेकर निकाली गई जागरूकता रैली

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय उत्क्रमित विद्यालय कस्तूरबा छात्रावास के छात्र - छात्राओं ने नशा मुक्ति को लेकर शिक्षकों की अगुवाई में जागरूकता अभियान प्रभात फेरी निकाली। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजकुमार यादव, थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो प्रखंड मुख्यालय से लेकर मिजार्पुर गांव समस्तीपुर दरभंगा मुख्य सड़क होते हुए कई गांव में जागरूकता रैली नारा लगाते हुए भ्रमण की। रैली के दोनों ओर सड़क सुरक्षा को लेकर सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे। रैली को सफल बनाने में विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेंद्र महतो, शिक्षक सुरेंद्र ठाकुर, बीआरपी दिनेश प्रसाद, एसआई सिंपी कुमारी, मनोज कुमार सिंह, वार्डेन रेखा कुमारी आदि जागरूकता रैली में मौजूद थे

करेंट लगने से किसान की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के रोहुआ पुर्वी पंचायत स्थित खेत में मंगलवार को पटवन के दौरान करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। इस बाबत थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया की सूचना मिली की स्व राम प्रवेश ठाकुर के खेत मे करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहुआ पुर्वी गांव निवासी 55 वर्षीय बच्चा मांझी के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया की उक्त स्थल पर पानी पटाने वाले मोटर में आ रहे करंट से पटवन के दौरान उसमें सटने से मजदूर की मौत हुई है। सूचना मिलते ही गस्ती दल पदाधिकारी जमादार मो अफरोज आलम एंव पुअनि आलोक कुमार को पुलिस बल के साथ भेजा गया। घटनास्थल पर पंहुचकर पंचनामा कराते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया की आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा परिवार ने चलाया जन संपर्क अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मंगलवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद के द्वारा मोरवा विधानसभा के मोरवा एवं ताजपुर प्रखंड अंतर्गत भेरोखरा तथा मोरवा प्रखंड के चंदौली मोरवा दक्षिणी आदि पंचायतों में जनसम्पर्क अभियान के तहत एक सभा किया गया। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अमरजीत कुमार एवं नगर अध्यक्ष ध्रुवज्योति पाण्डेय के संचालन में नुक्कड़ सभा कर कार्यकर्ताओ से अपील किए कि आगामी 27 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नितीश कुमार एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद उपेंद्र कुशवाहा के हाथों को मजबूत करने हेतु भारी संख्या में पटेल मैदान समस्तीपुर को भरने का संकल्प लिया गया। जनसम्पर्क अभियान का नेतृत्व कर रहे जिलाध्यक्ष श्री निषाद ने कहा की आपकी सहभागिता ही उपेंद्र कुशवाहा को मजबूती प्रदान करेंगे। मौके पर डॉ दिलीप कुमार चौधरी, मो बसीर, नागेश्वर राम, मो रहमत, सुरेश राम, संजय कुमार राम, उमेश पासवान सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

दानिश कैसर को युवा लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश महासचिव मनोनीत किये

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रकाशनार्थ पटना 25/2/2025लोजपा (रामविलास) के युवा प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय ने अपने कमेटी का विस्तार करते हुए मुजफ्फरपुर निवासी दानिश कैसर को युवा लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश महासचिव मनोनीत किये।

पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि इनके मनोनयन पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सत्यानंद शर्मा, युवा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल पासवान, प्रदेश संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु पासवान , प्रदेश प्रवक्ता दिनेश पासवान, प्रदेश महासचिव रतन पासवान, संसदीय बोर्ड प्रदेश सचिव अंकित कुमार, युवा प्रधान महासचिव प्रकाश कुशवाहा, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष हर्ष चोपड़ा, युवा प्रदेश महासचिव शरणजीत पासवान,कुंदन सिंह आदि नेताओं ने हर्ष व्यक्त किया।

बिजली के चपेट में आने से अधेड़ किसान की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के पटोरी थाना क्षेत्र के राजपुर जौनपुर गांव में बिजली के करेंट के चपेट में आने से एक अधेड़ किसान की मौत हो गई। मृत किसान की पहचान शिव दयाल महतो का 54 वर्षीय पुत्र राज कुमार महतो के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की अहले सुबह राज कुमार महतो अपने खेत में लगे सरसों का फसल देखने गये थे, जहां उनके खेत के बगल में मकई का फसल लगा हुआ था, मकई के फसल को माल मवेशी से सुरक्षा के बिजली का तार लगा दिया गया था और उसमें बिजली प्रभावित हो रहा था। किसान उक्त बिजली के तार के चपेट में आया और उसे जबरदस्त बिजली का झटका लगा और बेहोश होकर खेत में ही गिर पड़ा। करेंट लगने की जानकारी घर के लोगों को मिली और उन्हें उपचार के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर लाया गया। सदर अस्पताल के डॉक्टर ने अपने स्तर से बिजली से झुलसे किसान को बचाने का अथक प्रयास किया, मगर किसान को बचाने में असफल रहे और किसान ने दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि मकई के फसल लगाने वाले मवेशी द्वारा फसल का नुकसान न हो उसके हिफाजत के लिए बिजली के तार से घेरे हुए थे, उसी नंगा तार के चपेट में आने से किसान की मौत हो गई। इधर किसान की मौत होने पर राजपुर जौनपुर गांव के लोगों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। अत : पुलिस प्रशासन को मकई खेत वाले किसान के खिलाफ जांच पड़ताल के उपरांत आवश्यक कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

बिहार राज्य किसान सभा का अंचल सम्मेलन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बिहार राज्य किसान सभा का अंचल सम्मेलन कम्युनिस्ट राम प्रताप पांडे नगर भाकपा कार्यालय वारिसनगर में 1 बजे दिन से प्रारंभ हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता रामाशीष महतो ने किया। सर्व प्रथम झंडोतोलन जगन्नाथ राय ने किया। शहीद वेदी पर पुष्प अर्पित करने के बाद सम्मेलन प्रारंभ किया गया। बैठक को किसान नेता सह भाकपा अंचल सचिव उपेंद्र प्रसाद ने बताया कि किसानों को सही एम एस पी का लाभ नहीं मिल रहा है। 2006 से नीतीश कुमार की सरकार बाजार समिति को समाप्त कर दिया। किसानों को अपने फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा है। किसानों को खाद बीज सही नहीं मिल रहा है। आज अन्न, सब्जी, मवेशी, मछली, मुर्गी पालन करने वाला किसान का बेटा को सही शिक्षा ,सही इलाज, सही वस्त्र नहीं मिल रहा है। अन्न उपजाने वाला किसान आज सरकार द्वारा शोषण का शिकार बन गया है। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा किसानों को हे दृष्टि से देखा जा रहा है। बिहार राज्य किसान सभा राज्य एवं केंद्र सरकार से मांग करती है कि धरना पर बैठे किसानों पर से मुकदमा वापस लिया जाय सरकार तीनों किसान विरोधी नीति वापस ले। सम्मेलन में सैकड़ो किसानों ने हिस्सा लिया। वहीं सर्वसम्मति से 11 सदस्यों की कमिटी बनाई गई। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर रामाशीष महतो बनाए गये। बैठक को जवाहर राय, सिकंदर दास, योगेंद्र चौधरी मनोज कुमार सरपंच, वीरेंद्र झा, परमेश्वर सहनी राजकुमार साह, मोहम्मद राफे, प्रकाश पासवान आदि ने संबोधित किया।

समाहरणालय में बाल संरक्षण और समाज कल्याण योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी

मो अरमान अलीसीतामढ़ीः समाहरणालय स्थित विमर्श कक्ष में बाल संरक्षण एवं जिला समाज कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों, बाल संरक्षण इकाई और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। बैठक में जिले में संचालित समाज कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और उनके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जरूरी निर्देश दिए गए। बाल संरक्षण, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, प्रखंड, पंचायत व वार्ड स्तरीय बाल कल्याण संरक्षण समिति की बैठक नियमित करने, परवरिश योजना, स्पांसरशीप, ट्रांसजेंडर, सामाजिक सुरक्षा के योजना परिवार लाभ योजना, कबीर अंत्येष्टि, राष्ट्रीय लक्ष्मी बाई योजनाओं सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा और पुनर्वास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे जरूरतमंद बच्चों एवं परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए समन्वय बनाकर कार्य करें। बच्चों की सुरक्षा और समाज कल्याण सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में वरीय उप समाहर्ता -सह- सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई प्रियंका कौशिक, पुलिस उपाधीक्षक -सह- विशेष किशोर पुलिस इकाई नजीब अनवर, डीपीओ कंचन कुमारी गिरि, सिविल सर्जन डॉ अखिलेश कुमार, सीपीओ गोविन्द राम, प्रथम संस्था के जिला समन्वयक सुधीर कुमार, सीडब्लूसी के सुनीता कुमारी, जेजेबी के सदस्य सुबोध राउत, श्रम विभाग के प्रतिनिधि चन्द्र नाथ राम, अब्दुल रहीम और प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी वीसी के माध्यम से भाग लियो

46 कार्टून अंग्रेजी शराब के साथ एक पिकअप, दो बाइक जब्त

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर पंचायत अंतर्गत एक ग्रामीण सड़क से कार्टून में बंद कर कारोबारी ले जा रहे थे। अचानक पुलिस को सूचना मिली, कारोबारी का पीछा करने लगी पिकअप पर लदी 22 कार्टून, बगल के मवेशी के घर से 20 कार्टून दो बाइक पर रखे चार कार्टून को बरामद किया। पुलिस गाड़ी को देखते ही कारोबारी सब फरार हो गये। इस संबंध में थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि सब मिलाकर 44 कार्टून अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है। कारोबारी की पहचान की जा रही है। आगे उन्होंने बताया कि भौलथा चौक चार मुहान चौक के समीप के पास बरामद किया गया है। उत्पाद अधिनियम के तहत अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। अंग्रेजी शराब बरामद करने में सक्रिय सहयोग करने वालों में अपर थानाध्यक्ष दीपक कुमार झा, एलटीएफटीम के प्रभारी राजनाथ कुमार सहित पुलिस बल शामिल थे।

विष्णुपुर पंचायत में सोशल ऑडिट ग्राम सभा का आयोजन, जनकल्याणकारी योजनाओं की हुई समीक्षा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी बेगूसराय मंगलवार को विष्णुपुर पंचायत सरकार भवन में केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के सोशल ऑडिट हेतु ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया प्रभा देवी ने की। बैठक में नल-जल योजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीडीएस, समाज कल्याण, भूमि सुधार, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, स्वच्छता अभियान सहित अन्य योजनाओं की प्रगति और प्रभाव की समीक्षा की गई। नल-जल योजना में गड़बड़ी, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी ग्राम सभा में नल-जल योजना को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। विष्णुपुर सैदपुर गांव में निर्मित निर्मल जल मीनार से अधिकांश वार्डों में पानी की आपूर्ति बाधित होने की शिकायतें सामने आईं। ग्रामीणों ने बताया कि यह पंप पिछले एक सप्ताह से बंद पड़ा है, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर विभागीय पदाधिकारी को शीघ्र समाधान का निर्देश दिया गया। ग्रामीण विकास कार्यों पर हुई चर्चा बैठक में पेवर ब्लॉक सोलिंग, चाहरदीवारी निर्माण,पौधारोपण, पीएम आवास योजना में वंचितों के नाम जोड़ने, जॉब कार्ड निर्माण, सोलर लाइट, सोख्ता निर्माण, पीडीएस, मिट्टी भराई एवं ग्रामीण भारत लोहिया फेज-2 के तहत संचालित स्वच्छता अभियान को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई।ग्राम सभा में गणमान्य लोग रहे उपस्थित इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि अमरेश पोद्दार उर्फ टुनटुन, पंचायत सचिव, वार्ड सदस्य, जीविका कर्मी, पीआरएस, आवास सहायक, विकास मित्र, स्वच्छता पर्यवेक्षक सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ग्राम सभा में आईं शिकायतों और सुझावों के आधार पर संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए, ताकि ग्रामीणों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

नशा मुक्ति को लेकर निकाली गई जागरूकता रैली

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय उत्क्रमित विद्यालय कस्तूरबा छात्रावास के छात्र - छात्राओं ने नशा मुक्ति को लेकर शिक्षकों की अगुवाई में जागरूकता अभियान प्रभात फेरी निकाली। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजकुमार यादव, थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो प्रखंड मुख्यालय से लेकर मिजार्पुर गांव समस्तीपुर दरभंगा मुख्य सड़क होते हुए कई गांव में जागरूकता रैली नारा लगाते हुए भ्रमण की। रैली के दोनों ओर सड़क सुरक्षा को लेकर सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे। रैली को सफल बनाने में विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेंद्र महतो, शिक्षक सुरेंद्र ठाकुर, बीआरपी दिनेश प्रसाद, एसआई सिंपी कुमारी, मनोज कुमार सिंह, वार्डेन रेखा कुमारी आदि जागरूकता रैली में मौजूद थे

करेंट लगने से किसान की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के रोहुआ पुर्वी पंचायत स्थित खेत में मंगलवार को पटवन के दौरान करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। इस बाबत थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया की सूचना मिली की स्व राम प्रवेश ठाकुर के खेत मे करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहुआ पुर्वी गांव निवासी 55 वर्षीय बच्चा मांझी के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया की उक्त स्थल पर पानी पटाने वाले मोटर में आ रहे करंट से पटवन के दौरान उसमें सटने से मजदूर की मौत हुई है। सूचना मिलते ही गस्ती दल पदाधिकारी जमादार मो अफरोज आलम एंव पुअनि आलोक कुमार को पुलिस बल के साथ भेजा गया। घटनास्थल पर पंहुचकर पंचनामा कराते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया की आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा परिवार ने चलाया जन संपर्क अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मंगलवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद के द्वारा मोरवा विधानसभा के मोरवा एवं ताजपुर प्रखंड अंतर्गत भेरोखरा तथा मोरवा प्रखंड के चंदौली मोरवा दक्षिणी आदि पंचायतों में जनसम्पर्क अभियान के तहत एक सभा किया गया। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अमरजीत कुमार एवं नगर अध्यक्ष ध्रुवज्योति पाण्डेय के संचालन में नुक्कड़ सभा कर कार्यकर्ताओ से अपील किए कि आगामी 27 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नितीश कुमार एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद उपेंद्र कुशवाहा के हाथों को मजबूत करने हेतु भारी संख्या में पटेल मैदान समस्तीपुर को भरने का संकल्प लिया गया। जनसम्पर्क अभियान का नेतृत्व कर रहे जिलाध्यक्ष श्री निषाद ने कहा की आपकी सहभागिता ही उपेंद्र कुशवाहा को मजबूती प्रदान करेंगे। मौके पर डॉ दिलीप कुमार चौधरी, मो बसीर, नागेश्वर राम, मो रहमत, सुरेश राम, संजय कुमार राम, उमेश पासवान सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

दानिश कैसर को युवा लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश महासचिव मनोनीत किये

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रकाशनार्थ पटना 25/2/2025लोजपा (रामविलास) के युवा प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय ने अपने कमेटी का विस्तार करते हुए मुजफ्फरपुर निवासी दानिश कैसर को युवा लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश महासचिव मनोनीत किये।

पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि इनके मनोनयन पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सत्यानंद शर्मा, युवा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल पासवान, प्रदेश संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु पासवान , प्रदेश प्रवक्ता दिनेश पासवान, प्रदेश महासचिव रतन पासवान, संसदीय बोर्ड प्रदेश सचिव अंकित कुमार, युवा प्रधान महासचिव प्रकाश कुशवाहा, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष हर्ष चोपड़ा, युवा प्रदेश महासचिव शरणजीत पासवान,कुंदन सिंह आदि नेताओं ने हर्ष व्यक्त किया।

बिजली के चपेट में आने से अधेड़ किसान की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के पटोरी थाना क्षेत्र के राजपुर जौनपुर गांव में बिजली के करेंट के चपेट में आने से एक अधेड़ किसान की मौत हो गई। मृत किसान की पहचान शिव दयाल महतो का 54 वर्षीय पुत्र राज कुमार महतो के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की अहले सुबह राज कुमार महतो अपने खेत में लगे सरसों का फसल देखने गये थे, जहां उनके खेत के बगल में मकई का फसल लगा हुआ था, मकई के फसल को माल मवेशी से सुरक्षा के बिजली का तार लगा दिया गया था और उसमें बिजली प्रभावित हो रहा था। किसान उक्त बिजली के तार के चपेट में आया और उसे जबरदस्त बिजली का झटका लगा और बेहोश होकर खेत में ही गिर पड़ा। करेंट लगने की जानकारी घर के लोगों को मिली और उन्हें उपचार के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर लाया गया। सदर अस्पताल के डॉक्टर ने अपने स्तर से बिजली से झुलसे किसान को बचाने का अथक प्रयास किया, मगर किसान को बचाने में असफल रहे और किसान ने दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि मकई के फसल लगाने वाले मवेशी द्वारा फसल का नुकसान न हो उसके हिफाजत के लिए बिजली के तार से घेरे हुए थे, उसी नंगा तार के चपेट में आने से किसान की मौत हो गई। इधर किसान की मौत होने पर राजपुर जौनपुर गांव के लोगों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। अत : पुलिस प्रशासन को मकई खेत वाले किसान के खिलाफ जांच पड़ताल के उपरांत आवश्यक कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

बिहार राज्य किसान सभा का अंचल सम्मेलन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बिहार राज्य किसान सभा का अंचल सम्मेलन कम्युनिस्ट राम प्रताप पांडे नगर भाकपा कार्यालय वारिसनगर में 1 बजे दिन से प्रारंभ हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता रामाशीष महतो ने किया। सर्व प्रथम झंडोतोलन जगन्नाथ राय ने किया। शहीद वेदी पर पुष्प अर्पित करने के बाद सम्मेलन प्रारंभ किया गया। बैठक को किसान नेता सह भाकपा अंचल सचिव उपेंद्र प्रसाद ने बताया कि किसानों को सही एम एस पी का लाभ नहीं मिल रहा है। 2006 से नीतीश कुमार की सरकार बाजार समिति को समाप्त कर दिया। किसानों को अपने फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा है। किसानों को खाद बीज सही नहीं मिल रहा है। आज अन्न, सब्जी, मवेशी, मछली, मुर्गी पालन करने वाला किसान का बेटा को सही शिक्षा ,सही इलाज, सही वस्त्र नहीं मिल रहा है। अन्न उपजाने वाला किसान आज सरकार द्वारा शोषण का शिकार बन गया है। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा किसानों को हे दृष्टि से देखा जा रहा है। बिहार राज्य किसान सभा राज्य एवं केंद्र सरकार से मांग करती है कि धरना पर बैठे किसानों पर से मुकदमा वापस लिया जाय सरकार तीनों किसान विरोधी नीति वापस ले। सम्मेलन में सैकड़ो किसानों ने हिस्सा लिया। वहीं सर्वसम्मति से 11 सदस्यों की कमिटी बनाई गई। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर रामाशीष महतो बनाए गये। बैठक को जवाहर राय, सिकंदर दास, योगेंद्र चौधरी मनोज कुमार सरपंच, वीरेंद्र झा, परमेश्वर सहनी राजकुमार साह, मोहम्मद राफे, प्रकाश पासवान आदि ने संबोधित किया।

राष्ट्रपति के सामने नीतीश बोले-वो लोग कुछ नहीं करते थे ना इलाज था ना पढ़ाई और ना सड़क

पटना। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को पटना पहुंचीं। बापू सभागार में वो PMCH के शताब्दी समारोह में चीफ गेस्ट के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में 3000 से ज्यादा डॉक्टर्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने बगैर नाम लिए लालू-राबड़ी के शासन पर तंज कसा। उन्होंने कहा, 'वो लोग कुछ काम नहीं कर रहे थे। उन लोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। हमने महिलाओं के लिए काम किया। हर वर्ग के लिए काम किया। हम तो चाहते हैं, अच्छे से चलें। केंद्र का भी सहयोग

मिलता रहेगा। बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।' पहले हिंदू- मुस्लिम झगड़े होते थे अब नहीं सीएम ने कहा कि 'पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 1 महीने में 40 लोग इलाज कराते थे। अब 11 हजार लोग इलाज के लिए जाते हैं। पहले वाले इलाज नहीं कराते थे। पढ़ाई नहीं कराते थे। आने-जाने का रास्ता नहीं था। पहले कितना हिंदू- मुस्लिम का झगड़ा होता था। अब कहीं कुछ सुनाई देता है। हम हिंदू-मुस्लिम, पिछड़े, दलित, ऊंची जाति सबके विकास के लिए काम कर रहे हैं।' 2005 में हम लोगों को मौका मिला। उसी समय से हम लोग काम कर रहे थे। उस वक्त बिहार में 6 मेडिकल कॉलेज थे। अब 12 मेडिकल कॉलेज बन गए हैं। 14 मेडिकल कॉलेजों का का काम चल रहा है। हम हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनवाने जा रहे हैं।कार्यक्रम में BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 'मेरा जन्म भी PMCH में हुआ था। दुनिया में ऐसी कोई जगह नहीं जहां PMCH के डॉक्टर ना हो। PMCH दुनिया का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां हम सभी को एक बार विजिट करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि मोदी जी बिहार के विकास के लिए लगातार लगे हुए हैं। उन्होंने बिहार को बीमारु राज्य से अगृणी राज्य बनाया। पहले बिहार की गिनती नीचे से होती थी अब ऊपर से होती है।' राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ने मेडिकल स्टूडेंट्स को गीता के श्लोक के जरिए जीवन जीने के मंत्र सिखाए।

जन सुराज पार्टी ने किया कार्यकर्ता सम्मेलन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के हरपुर एलौथ स्थित जन सुराज कार्यालय में कार्यकताओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद अशोक कुमार मुन्ना ने बताया कि आगामी 08 मार्च को सिंघिया स्टेशन के ठीक सामने एक विशाल जन सभा का आयोजन होने जा रहा है। उक्त जन सभा में जन सुराज पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर का आगमन है। उन्होंने कार्यकताओं एवं आम आवाम से कहा है कि इस जन सभा में अधिक से अधिक संख्या में शरीक होकर कार्यक्रम को बनावें।इधर पूछे जाने पर मुख्य अतिथि ने बताया कि हमलोग अभी से ही आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए रणनीति बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और दो तिहाई बहुमत से जीत हासिल करेगी।कार्यकर्ता सम्मेलन में जिला अध्यक्ष राज कपूर सिंह, उप मेयर राम बालक पासवान, राज्य अभियान समिति के सदस्य वसीम राजा, संयोजक कुंदन कुमार झा, वारिसनगर प्रखंड अध्यक्ष मो जहांगीर, विजय कुमार वात्स्य, डॉ गोविंद कुमार, जीतन मिश्रा, राजेश कुमार गुप्ता उर्फ पप्पू, अजीत झा, रामचंद्र सिंह निषाद, तारकेश्वर प्रसाद, अनामिका कुमारी, सुनीता कुमारी, राहुल कुमार, पिंकी कुमारी, श्याम किशोर कुशवाहा, वैद्यनाथ सिंह के अलावा काफी तायदाद में कार्यकताओं ने भाग लिया।

महाकुंभ- पार्किंग में सो रहे 2 श्रद्धालुओं को रौंदा

पटना। महाकुंभ आए दो श्रद्धालुओं को पार्किंग में वाहनों ने रौंद दिया। अलगझअलग हादसे में दोनों की मौत हो गई है। पुलिस ने वाहनों को कब्जे में ले लिया है, जबकि ड्राइवर फरार हैं। तहरीर पर पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मुरादाबाद के थाना नागफनी स्थित बंगला गांव के गीतेश सैनी (35) शनिवार रात मां नमिता और पत्नी के साथ फाफामऊ के बेला कछार पार्किंग-2 में अपने वाहन से पहुंचे। वह संगम स्नान करने से पहले पार्किंग में ही सभी जमीन पर आराम करने लगे। इसी बीच उनको नींद आ गई। इसी बीच बैक करते समय एक बस ने गीतेश को कुचल दिया, उसकी मौत हो गई। गीतेश की मां नमिता सैनी की तहरीर पर पुलिस ने बस ड्राइवर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। ड्राइवर फरार हो गया है।

पश्चिमी पंचारण के अनिल को कार ड्राइवर ने कुचला बिहार के पश्चिमी पंचारण योगापट्टी थाना के मच्छर गांव निवासी अनिल ठाकुर (48) बेला कछार पार्किंग-2 में दूसरी जगह सो रहे थे। उनको एक कार ड्राइवर ने कुचल दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद चालक कार छोड़ कर फरार हो गया।

संक्षिप्त डायरी

हथियार के साथ 3 युवक गिरफ्तार:जेल में बंद कुख्यात की कार्बाइन और कारतूस बरामद

दानापुर। में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक देसी कार्बाइन और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। एएसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार युवकों की पहचान नासरीगंज प्राचीन मंदिर वार्ड नंबर 19 के विकास कुमार, पीयूष कुमार उर्फ सोनू राजपूत और अंकित कुमार के रूप में हुई है। तीनों को बिस्कुट मोड़ से पकड़ा गया है। पूछताछ में सामने आया कि बरामद कार्बाइन जेल में बंद कुख्यात अपराधी रवि गोप की है। रवि गोप ने किसी व्यक्ति की हत्या के लिए यह हथियार मुहैया करवाया था। पुलिस ने इस मामले में कांड संख्या 199/25 दर्ज किया है। एएसपी ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का प्रयास रहेगा कि बरामद कार्बाइन को न्यायालय से रवि गोप के रिकॉर्ड में दर्ज कराया जाए। आरोपियों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। इस मामले में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

प्रधानमंत्री के दौरे पर लालू यादव का वीडियो पोस्ट

पटना। पीएम नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे पर आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने निशाना साधा। उन्होंने सोमवार को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट पर चुटकी ली। वीडियो में पीएम के तीन पुराने भाषण और बिहार में फैक्ट्री लगाने का जिक्र है। इस पर लालू यादव ने उनको झूठा बताया। लालू यादव ने लिखा है ' पीएम के झूठ मापने का कोई पैमाना होता तो वह टूट कर चूर-चूर हो जाता'। वीडियो में किसानों की आय दोगुनी करने वाले बयान, बिहार में विशेष पैकेज की योजनाएं और भागलपुर में ठप सिल्क कारोबार की खबरों को उनके तीन बयान से विपरीत बताते हुए झूठा कहा है। वहीं, प्रधानमंत्री के बिहार आगमन उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आज बिहार में हैं। इसलिए आज बिहार में झूठ और जुमलों की बरसात होगी। चुनावी वर्ष है, इसलिए लोगों को भ्रमित करने के लिए केंद्र की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन दिखावटी रूप से बिहार से होगा। लेकिन यहां के लोगों को कुछ नहीं मिलेगा और न देंगे। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि लोगों को उलझाए रखने के लिए आ रहे हैं। पहले भी कहा था, दिल्ली का चुनाव खत्म हो गया है। अब बिहार में चुनाव होने हैं, इसलिए सब आएंगे। प्रधानमंत्री आते हैं तो ये अच्छी बात है, लेकिन जब आते हैं तो सिर्फ जुमलेबाजी करते हैं। लोगों को ठगने का काम करते हैं। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि बिहार ने बीस साल तक डबल इंजन की सरकार को मौका दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 साल से केंद्र में हैं। नीतीश कुमार बीस साल से सीएम हैं। फिर भी साक्षरता के मामले में बिहार पीछे है। प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश में सबसे पीछे है। किसानों की आय में सबसे पीछे है। बेरोजगारी, गरीबी में बिहार नंबर वन है। पीएम मोदी आते हैं तो अच्छी बात है, लेकिन जब आते हैं तब वह जुमलेबाजी करते हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि अभी तक बिहार फिसड्डी राज्यों में आ रहा है। आपने सवा लाख करोड़ का पैकेज देने का वादा किया था, उस पैकेज का क्या हुआ? कोई हिसाब किताब नहीं है। सिर्फ चुनाव के समय ही पीएम को बिहार और बिहारी याद आते हैं। पलायन रोकने के लिए क्या किया। यहां आकर चुनाव को कैसे मैनेज करना है। इस तरह से कुछ लोगों को निर्देश देना है। कुछ घोषणाएं होने वाली हैं। तो बताइए पहले क्या घोषणा हुई थी। ये चुनाव को मैनेज करने का काम है।

ट्रैक मेंटेनर के साथ महाराजगंज साइड गेट संख्या एक के पास बसवारिया टोला के कुछ लोगों द्वारा की गई गाली गलौज पर चार अभियुक्त गिरफतार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज सोमवार 24 फरवरी। गेट मैन हरदेव कुमार द्वारा रेसुब पोस्ट सीवान पर सुचना दिया गया कि आज दिनांक 24.2.25 को मेरी ड्यूटी महराजगंज साईड किमी संख्या 7/00 तक कीमैन की थी दौराने ड्यूटी गेट संख्या एक के पास बसवारिया टोला कुछ लोग ट्रैक पर बैठे हुए थे मेरे द्वारा मना करने पर ट्रैक से हटे नहीं तथा मेरे साथ गाली गलौज वह न्यूसेंस करने लगे वह कार्य में बाधा पहुंचा है उक्त सूचना पर अरकग्यास सरवर चौकी प्रभारी दुरौधा साथ कांस्टेबल आबिद अली घटनास्थल के लिए रवाना हुए गेट संख्या एक के पास पहुंचे तो की मैन उपरोक्त व कांस्टेबल रामजी यादव मिले जिन्हें साथ लेकर पता राशि सुराग राशि किया जा रहा था की दुरौंधा साईड किमी संख्या 3/1- 2 के पास ट्रैक पर चार लोग बैठे हुए दिखाई दिए जिनके पास नजदीक जाकर देखा गया तो की मैन द्वारा गाली गलौज करने वाले लोगों के तौर पर पहचान की गई , उन्हें रोक कर घटना के संबंध में पूछताछ किया गया तो उन चारों लोगों द्वारा माफी मांगने लगे तथा छोड़ देने की विनती करने लगे उन्हें उनके जुर्म से भली भांति अवगत कराते हुए कब्ज फ्ढत्र्ख्लिया गया पूछने पर उनके द्वारा अपना नाम क्रमशः 1- विशाल पुत्र अखिलेश्वर महतो निवासी ग्राम बसवारिया टोला थाना दुरौंधा उम्र 24 वर्ष,2- सुजीत कुमार पुत्र सुभाष महतो उम्र 19 वर्ष 3- सिद्धार्थ कुमार पुत्र लाल बाबू महतो उम्र 18 वर्ष 4- अमित कुमार पुत्र संतोष महतो उम्र 18 वर्ष पता उपरोक्त बताए ' मौके की संपूर्ण कार्रवाई कर अग्रिम विधि कार्रवाई हेतु फ्ढत्र्स्पोस्ट सिवान पर लाया गया जिनके विरुद्ध प्रभारी निरीक्षक सिवान महोदय के आदेश पर रेल अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया कजिन्हें रेलवे मजिस्ट्रेट

जिले के सभी हाइड्रोसील मरीजों का मार्च 2025 तक ऑपरेशन करने का लक्ष्य

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : हाइड्रोसील पीड़ित मरीजों के लिये अच्छी खबर है।जिले के सभी हाइड्रोसील मरीजों का मार्च 2025 तक ऑपरेशन करने का लक्ष्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित किया गया है। जिले में फरवरी माह में 414 मरीजों के ऑपरेशन का लक्ष्य रखा गया है और 22 फरवरी तक 409 मरीजों को सफलता पूर्वक ऑपरेशन कराया गया है।बता दें कि मरीज को सदर अस्पताल लाने एवं ऑपरेशन के बाद वापस घर छोड़ने के लिए निःशुल्क एंबुलेंस की व्यवस्था उपलब्ध रहती है।

डीभीबीडीसी संतोष कुमार ने बताया कि जिले के हाइड्रोसील मरीजों के ऑपरेशन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य को शत-प्रतिशत हासिल करने के लिए विभिन्न स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मार्च 2025 तक जिले के हाइड्रोसील पीड़ित सभी मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन कराया जाएगा।

सिवान में दो बाइक के आमने सामने टक्कर में एक की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान पचरुखी 24 फरवरी मंगलवार। पचरुखी थाना क्षेत्र के सिवान छपरा मुख्य मार्ग पर गमहा रीया बाजार के समीप दो बाइक के आमने सामने टक्कर में एक की उपचार के क्रम में मौत हो गई। बता दे की दुरौंधा थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव निवासी समाजसेवी संजय सिंह के पिता नित्यानंद सिंह एलआईसी अभिकर्ता की बाइक दूसरे बाइक से टकरा गई जिसमें नित्यानंद सिंह मुख्य सड़क पर गिर गए जहां सामने से आ रही दक्ष पारा मेडिकल कॉलेज की बस उनके ऊपर चढ़ गई जहां गंभीर रूप से घायल हो गए जिनको ग्रामीणों के सहयोग से पचरुखी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए सिवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया जहां इलाज के क्रम में मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

भक्त और भगवान की नगरी विद्यापतिधाम से निकली शिव बरात की आकर्षक झांकी तीन दिनों तक चलेगा शिव विवाह महोत्सव

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

एंकर :समस्तीपुर जिले के विद्यापतिनगर भक्त व भगवान की नगरी विद्यापतिधाम उगना महादेव मंदिर में होने वाले तीन दिवसीय शिव विवाह महोत्सव के पहले दिन मंगलवार को दिन के 11: 30 बजे शिव भक्तों ने शिव बारात की आकर्षक झांकी मंदिर परिसर से निकाली।जीआरपी बछवाड़ा प्रभारी विशंम्भर माझी एवं सिपाही सहदेव यादव ने झांकी को ओम पताका दिखाकर रवाना किया। मंदिर परिसर से निकली भव्य झांकी मलकलीपुर, मधैयपुर, केवटा, सरदारगंज, दलसिहसराय पगड़ा, बसढिया, गढ़सिसई, धमिनी पोखर होते हुए आसपास के गांवों की आंचलिक यात्रा के बाद विवाह स्थल पर पहुंचेगी। भव्य झांकी बैंड बाजे के साथ रथ पर सवार भगवान भोलेनाथ, घोड़ा, भालू, बैल, बसहा, नंदी, ब्रह्मा, विष्णु, भूत-पिसाच आदि अलौकिक चित्रण पेश कर रहे थे। बारात के रथ पर सवार भगवान भोलेनाथ के प्रतिरुप में राम चौरसिया

हेल्प टीम के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन समस्तीपुर मे किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर का प्रसिद्ध सामाजिक संस्था हेल्प टीम के तत्वावधान में मंगलवार को ठाकुर प्रसाद एंड ग्रांड सन परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया शिविर में करीब ढाई दर्जन लोगों ने रक्तदान किया ।इस अवसर पर हेल्प टीम के संस्थापक कमल किशोर ने कहा कि रक्त की कमी को देखते हुए उन्होंने शिविर का आयोजन किया है ।उन्होंने कहा कि रक्तदान को लेकर अभी भी हमारे समाज काफी भ्रांतियां है हालांकि यह सब सिर्फ मनगढ़ंत है,रक्तदान करने से रक्तदाताओं के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल परिवर्तन नहीं होता है बल्कि रक्तदान करने से रक्तदाता कई खतरनाक बीमारियों से बच जाता है ।उन्होंने युवाओं से अपील की के वो समाज में फैले गलत भ्रांतियों से बचे और रक्तदान कर लोगों की जान बचाने के लिए आगे आए ।शिविर में संस्था के संस्थापक कमल किशोर के अलावा रूपा कुमारी,मनीष कुमार,अभिषेक कुमार, अर्जुन साह,पप्पू कुमार,मुन्ना अंसारी, कुंदन गुप्ता,सूरज गोयनका,वीरू विश्वाश,अमोद कुमार,सुशील कुमार गुप्ता,बजरंगी लाल जायसवाल,अतुल कुमार पांडे समेत ढाई दर्जन लोगों ने रक्तदान कर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया ।इस अवसर पर टीम हेल्प के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

समस्तीपुर जिले के 18 प्रखंडों के 101 गांवों में कालाजार उन्मूलन को लेकर 60 दिवसीय छिड़काव अभियान चलाया जा रहा है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : जिले के 18 प्रखंडों के 101 गांवों में कालाजार उन्मूलन को लेकर 60 दिवसीय छिड़काव अभियान चलाया जा रहा है। छिड़काव के लिए 210 कर्मियों को लगाया गया है जिनके द्वारा चिन्हित गांवों में चरणबद्ध सिंथेटिक पैराथायराइड का छिड़काव किया जा रहा है। 18 फरवरी से शुरू छिड़काव कार्य अप्रैल महीने तक होगा। इसके लिए सभी 18 प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

दवा का छिड़काव हैन्ड कम्प्रैशन पम्प से किया जा रहा है। जिले के कालाजार प्रभावित प्रखंडों के एक लाख 13 हजार 214 घरों में माइक्रो प्लान के अनुसार छिड़काव किया जाना है। बता दें कि पिछले तीन वर्षों में मिले मरीजों की संख्या के आधार पर छिड़काव के लिए गांवों को चिन्हित किया गया है।

छिड़काव से संबंधित गांव के विद्यालय में आशा के सहयोग से कालाजार कक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिससे छिड़काव पूर्व एवं छिड़काव के बाद बरती जानी वाली सावधानियों के बारे में बच्चों को जानकारी दी जाएगी। संबंधित गांवों में छिड़काव की तिथि बच्चों की कॉपी में लिखवाई जाएगी। ताकि वे इसे अपने माता-पिता को दिखा सकें।

मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्यूटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

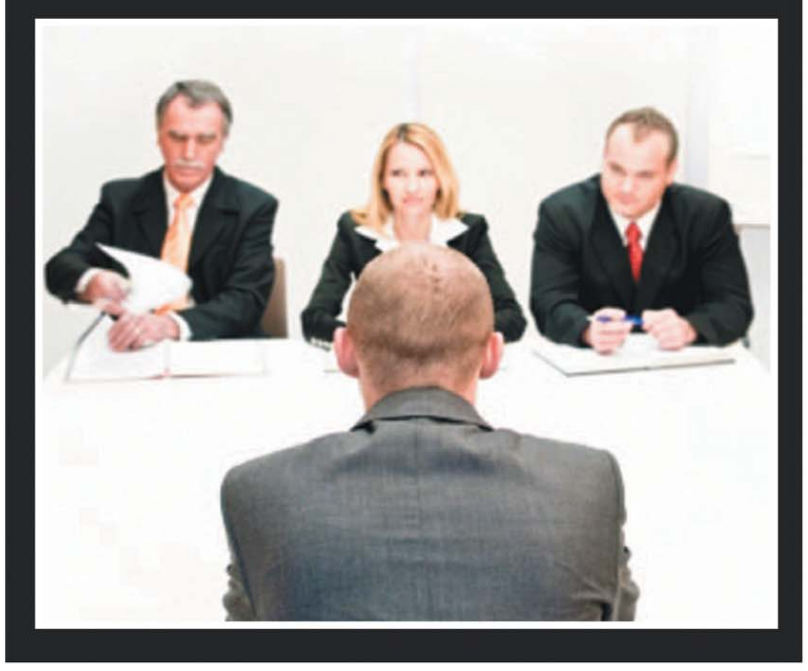

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनःप्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझों।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें।

कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

एडीबी के नए अध्यक्ष मसातो कांडा ने संभाला कार्यभार

एजेंसी

नई दिल्ली/मनीला। मासातो कांडा ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के 11वें अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाल लिया है। उन्होंने मासात्सुगु असकावा की जगह ली है। अंतरराष्ट्रीय वित्त और विकास नीति में करीब 4 दशकों के अनुभव के साथ कांडा को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान उनके निर्णायक हस्तक्षेप के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। मासातो कांडा ने अपने पूर्ववर्ती मासात्सुगु असकावा के प्रति उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और क्षेत्र में विकास को आगे बढ़ाने के लिए अटूट प्रतिबद्धता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एडीबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सौंपे गए दायित्व के तहत इस मजबूत विरासत को आगे बढ़ाने, पूरे एशिया और प्रशांत क्षेत्र में टिकाऊ, समावेशी और लचीला विकास करने का संकल्प व्यक्त किया। कांडा ने कहा, हमारे क्षेत्र के लिए इस महत्वपूर्ण क्षण में एडीबी अध्यक्ष की भूमिका निभाने पर मुझे बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, हमारे 69 सदस्यों के विश्वास और हमारे समर्पित कर्मचारियों के मजबूत समर्थन के साथ मैं सतत, समावेशी और लचीले विकास को बढ़ावा देने के लिए एडीबी के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। हम मिलकर विकास की चुनौतियों का सामना करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि एडीबी इस क्षेत्र के लिए पसंदीदा भागीदार बना रहे।

मजबूत लिस्टिंग के बाद गिरकर सपाट स्तर पर आए तेजस कार्गो के शेयर

नई दिल्ली। सप्लाई चेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विस देने वाली कंपनी तेजस कार्गो ने स्टॉक मार्केट में शानदार एंट्री की, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर टूट गए। कंपनी के शेयर 168 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 4.17 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ इसकी 175 रुपये के भाव पर एंट्री हुई। हालांकि लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही ये शेयर टूट कर 168 रुपये के भाव पर आ गए। तेजस कार्गो का 105.84 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 15 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.15 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.07 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 63 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए ट्रेलर खरीदने, पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

फ्लैट लिस्टिंग के बाद रॉयल आर्क के शेयरों में शुरू हुई लिवाली

नई दिल्ली। वेल्डिंग इलेक्ट्रोड्स, फ्लेक्स कोर्ड वायर और वेल्डिंग कंज्यूमेबल्स बनाने वाली कंपनी रॉयलआर्क इलेक्ट्रोड्स ने स्टॉक मार्केट में फीकी लिस्टिंग करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 120 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे।? आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग भी बिना किसी उतार-चढ़ाव के 120 रुपये के स्तर पर ही हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण इस शेयर के भाव में तेजी आ गई। दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 121.05 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। रॉयलआर्क इलेक्ट्रोड्स का 36 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 18 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.92 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.21 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,760 रुपये से लेकर 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,440 रुपये से लेकर 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

मप्र में एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा अडाणी ग्रुप, अन्य उद्योगपतियों ने भी जताई सहमति

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं और देश-विदेश के उद्योगपति इसे एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में देख रहे हैं। भोपाल में सोमवार से शुरू हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 को लेकर उद्योग जगत में खासा उत्साह देखा जा रहा है। देश के प्रमुख उद्योगपतियों ने राज्य में निवेश को लेकर अपनी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। अडाणी ग्रुप ने प्रदेश में एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की बात कही है। दरअसल, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में शामिल होने भोपाल आए उद्योगपति गौतम अडाणी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ वन-टू-वन चर्चा में कहा कि इस आयोजन में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी पहल ने देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश का विकास हो रहा है। अडानी ने घोषणा की है कि उनका समूह 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ इस विकास यात्रा में आपके साथ है।

अडाणी ने कहा कि उनका ग्रुप मध्य प्रदेश में सीमेंट, सीवेज, खनन, स्मार्ट-मीटर और थर्मल-एनर्जी के क्षेत्रों में एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये का नया निवेश कर रहा है। इससे 2030 तक राज्य में एक लाख 20 हजार रोजगार सृजन होंगे। अडाणी ने बताया कि इसके साथ ही समूह एक ग्रीनफील्ड स्मार्ट-सिटी विकसित करने की योजना पर भी काम कर रही है। इसमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त निवेश शामिल होगा। आशा है कि ये सभी निवेश मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर विदेशी निवेशकों में खासा उत्साह देखने को मिला। मुंबई स्थित स्विट्जरलैंड के वाणिज्य दूतावास के महावाणिज्य दूत मार्टिन यू. माइयर ने जीआईएस में शामिल होकर कहा कि यह मेरे लिए बेहद रोमांचक है। मैं पहली बार मध्य प्रदेश आया हूं और भोपाल में यह देखना चाहता हूं कि यहां क्या संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड, आइसलैंड, लिचेंस्टाइन और नॉर्वे सहित यूरोपीय फ्री ट्रेड एसोसिएशन (EFTA) देशों ने भारत के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (TEPA) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत अगले 15 वर्षों में भारत में 100 बिलियन डॉलर का निवेश किया जाएगा। अब हमें यह सुनिश्चित करना है कि स्विस कंपनियां भारत आएं और यहां निवेश करें। इस समझौते के तहत भारत और स्विट्जरलैंड के आर्थिक संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मंडाविया और आईएलओ महानिदेशक हुंगबो ने श्रम कल्याण बढ़ाने के लिए सहयोग पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. हुंगबो के साथ बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने श्रम कल्याण तथा सामाजिक सुरक्षा कवरेज बढ़ाने के लिए सहयोग पर चर्चा की। मंडाविया ने एक्स पोस्ट में कहा, श्रम कल्याण और सामाजिक सुरक्षा कवरेज को बढ़ाने के लिए सहयोग पर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. हुंगबो के साथ एक उपयोगी द्विपक्षीय बैठक हुई। उन्होंने इस बातचीत के दौरान विकासशील भारत 2047 और जी-20 प्राथमिकताओं के साथ कार्यबल लचीलेपन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की। मंडाविया ने कहा कि वह अधिक समावेशी और टिकाऊ भविष्य को आकार देने में आईएलओ के साथ गहन जुड़ाव की आशा करते हैं।

इस दौरान विकसित भारत 2047 और जी20 प्राथमिकताओं के साथ तालमेल बिठाते हुए कार्यबल लचीलेपन के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे अधिक समावेशी और टिकाऊ भविष्य को आकार देने में आईएलओ के साथ गहन जुड़ाव की आशा करते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में आईएलओ का पहला कार्यालय 1928 में खोला गया था।

प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में मप्र को मिले 25 हजार 600 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शिखर सम्मेलन टेक इन्वेस्ट मध्य प्रदेश' सत्र का आयोजन किया गया। शिखर सम्मेलन में विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कुल 25 हजार 640 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग एक लाख 83 हजार 400 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी सोनिया परिहार ने दी।

उन्होंने बताया कि आईटी और आईटीएस क्षेत्र में 5500 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ। इससे अनुमानित 93 हजार रोजगार सृजित होंगे। ईएसडीएम क्षेत्र में 14 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग 14 हजार रोजगार सृजित होंगे। डेटा सेंटर के लिये 6800 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिसमें 2900 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जीसीसी में 700 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे 40 हजार 500 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। एबीजीसी-एक्सआर में 110 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिसमें 3000 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। ड्रोन सेक्टर में

180 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग 30 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिखर सम्मेलन टेक इन्वेस्ट मध्य प्रदेश' में आईटी और टेक क्षेत्र के उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का भोपाल में आयोजन हुआ है और इसका लाभ सभी क्षेत्रों को मिल रहा है। उन्होंने प्रदेश की राजधानी भोपाल की बदलती पहचान का जिक्र करते हुए कहा कि अब यहां की पहचान निवेश, उद्योग और व्यापार से हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईटी एक अलग प्रकार की दुनिया है और इस क्षेत्र में निवेश और विस्तार की अनंत संभावनाएं हैं। बाकी राज्यों की तुलना में मध्य प्रदेश ने सबसे अच्छी पॉलिसी बनाई है। इन नीतियों का लाभ निवेशकों को मिलेगा। आईटी सेक्टर के विस्तार के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिन जगहों पर आईटी के क्षेत्र में चुनौतियां आती थीं, आज वहां भी आईटी हब बन रहे हैं।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने प्रकृति 2025 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने राजधनी नई दिल्ली में आयोजित प्रकृति 2025 का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन परिवर्तनकारी जलवायु से संबंधित पहलों को एकीकृत करने के लिए सुदृढ़ता, जागरुकता, ज्ञान और संसाधनों को बढ़ावा देने के प्रति लक्षित है।

ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंत्री मनोहर लाल ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मंत्री ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने में कार्बन बाजारों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भारत सरकार के दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और उत्सर्जन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) की ओर रुख किए जाने के महत्व पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा गंगा दीप पूजा और गोवर्धन पूजा जैसी पारंपरिक प्रथाओं को भी रेखांकित किया, जो देश की गहरी पारिस्थितिक चेतना को दर्शाती हैं और स्थिरता के आधुनिक प्रयासों की पूरक हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्थिरता की ओर भारत के संक्रमण को महत्वाकांक्षी और प्राप्त करने योग्य बनाने वाली वास्तविक, सत्यापन योग्य और धोखाधड़ी-रहित कार्बन कटौती सुनिश्चित करने वाली जलवायु नीतियों की आवश्यकता को रेखांकित किया। इस अवसर पर विद्युत मंत्रालय के मुख्य अभियंता धीरज श्रीवास्तव ने विशिष्ट अतिथियों, प्रमुख उद्योगपतियों और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों का स्वागत किया और उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने भारत के सतत ऊर्जा भविष्य को आकार देने में सहयोग के महत्व को स्वीकार किया।

मंत्री ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने में कार्बन बाजारों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भारत सरकार के दृष्टिकोण को साझा किया।

वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट ऊर्जा हासिल करने के लिए वित्त जुटाना जरुरी : केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मुंबई में कहा कि वित्त जुटाना 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा हासिल करने की कुंजी है। मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीपाद नाईक भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी आज मुंबई में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा के लिए वित्त जुटाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री जोशी ने नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र को सुलभ वित्त पोषण सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय संस्थानों और नीति निर्माताओं से सामूहिक प्रयास करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विचार प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक के बाद सामने आया, जहां पीएम सूर्य घर और पीएम-कुसुम जैसी प्रमुख योजनाओं में तेजी लाने पर चर्चा हुई। भारत देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है, इसलिए इसकी ऊर्जा मांग दोगुनी होने की उम्मीद है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा को थर्मल ऊर्जा उत्पादन से मेल खाने के लिए बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि एक विश्वसनीय और लचीली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। केन्द्रीय मंत्री ने 2070 तक नेट जीरो हासिल करने और 2030

तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता तक पहुंचने की भारत की प्रतिबद्धता के बारे में भी बात की। उन्होंने वित्तीय संस्थानों से भारत की नवीकरणीय ऊर्जा विकास रणनीति के साथ अपनी ऋण नीतियों को संरेखित करने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में कार्बन-गहन उद्योगों को निर्यात के अवसरों में कमी का सामना करना पड़ेगा। मंत्री जोशी ने कहा कि भारत ने पहले ही नवीकरणीय ऊर्जा में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसकी क्षमता आज 222 गीगावॉट तक बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि पीएम-कुसुम और पीएम सूर्य घर किसानों को ऊर्जादाता (ऊर्जा प्रदाता) बनने के लिए सशक्त बनाते हैं, साथ ही ट्रांसमिशन घाटे को भी कम करते हैं। उन्होंने बैंकों से वित्तपोषण प्रक्रियाओं को सरल बनाने का आग्रह किया, विशेष रूप से रूफटॉप सौर परियोजनाओं के लिए, और डिस्कॉम के लिए नवीकरणीय खरीद दायित्वों (आरपीओ) के समान, इस क्षेत्र के लिए समर्पित वित्तपोषण सुनिश्चित करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण दायित्व की शुरुआत करने का आह्वान किया।

वैश्विक दबाव के कारण शेयर बाजार में गिरावट जारी, 8 महीने के निचले स्तर पर आया सेंसेक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। इस गिरावट के कारण सेंसेक्स 7 जून 2024 के बाद आज पहली बार 75 हजार अंक के स्तर से भी नीचे गिर गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाल बाजार पर पूरी तरह से हावी हो गए?।

पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.14 प्रतिशत और निफ्टी 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, एनर्जी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 397.98 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया।

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिटः पहले दिन मिले 22 लाख 50 हजार 657 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, हुए एमओयू

एजेंसी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में शुरू हुई दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के काफी सुखद परिणाम आये हैं। समिट के पहले दिन बड़ी संख्या में निवेश के प्रस्ताव मिले। इसमें 22 लाख 50 हजार 657 करोड़ के इंटेशन-टू-इन्वेस्ट, एमओयू और निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये। इससे 13 लाख 43 हजार 468 रोजगार सृजन होगा। यह जानकारी देर शाम जनसम्पर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने दी। 1) नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा - 5,21,279 करोड़ रुपये का निवेश - 1,46,592 लोगों को रोजगार।2) डी.आई.पी.आई.पी - 4,94,314 करोड़ रुपये का निवेश - 3,04,775 लोगों को रोजगार।3) खनिज एवं संसाधन विभाग - 3,22,536 करोड़ रुपये का निवेश - 55,494 लोगों को रोजगार।4) शहरी विकास और आवास - 1,97,597 करोड़ रुपये का निवेश - 2,31,376 लोगों को रोजगार।5) ऊर्जा - 1,47,990 करोड़ रुपये का निवेश- 20,180 लोगों को रोजगार।6) लोक निर्माण विभाग - 1,30,000 करोड़ रुपये का निवेश - 7) पर्यटन - 64,850 करोड़ रुपये का निवेश - 1,23,799 लोगों को रोजगार।8) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी - 64,174 करोड़ रुपये का निवेश - 1,83,144 लोगों को रोजगार।9) तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार - 43,326 करोड़ रुपये का निवेश - 51,027 लोगों को रोजगार।10) एमएसएमई - 21,706 करोड़ रुपये का निवेश - 1,32,226 लोगों को रोजगार।11) लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण - 17,205 करोड़ रुपये का निवेश - 49,237 लोगों को रोजगार।12) उच्च शिक्षा - 7,043 करोड़ रुपये का निवेश - 15,346 लोगों को रोजगार।13) उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण - 4,729 करोड़ रुपये का निवेश - 8,871 लोगों को रोजगार।14) चिकित्सा शिक्षा - 3,908 करोड़ रुपये का निवेश - 9,401 लोगों को रोजगार।15) अडाणी समूह - 2,10,000 करोड़ रुपये का निवेश - 12,000 लोगों को रोजगार।

सामाजिक न्याय के प्रति सामाजिक सुरक्षा देश की प्रतिबद्धता का बुनियादी स्तंभ : मंडाविया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा भारत की सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का एक बुनियादी स्तंभ बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इसकी पहुंच 2021 में कुल आबादी का 24.4 फीसदी से बढ़कर 2024 में 48.8 फीसदी हो गई है। केंद्रीय श्रम मंत्री यहां सामाजिक न्याय एवं ईएसआईसी के 74वें स्थापना दिवस पर क्षेत्रीय संवाद को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने सामाजिक न्याय 2025 पर क्षेत्रीय संवाद के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, बेरोजगारी दर 2017-18 में 6 फीसदी से घटकर 2023-24 में 3.2 फीसदी हो गई है जबकि श्रम बल भागीदारी दर 49.8 फीसदी से बढ़कर 60.1 फीसदी हो गई है। उन्होंने बताया कि 29 श्रम कानूनों को चार सरल श्रम संहिताओं में समाहित करने से श्रम कल्याण, सार्वभौमिक मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा मिला है। इसके साथ ही सुरक्षित कार्य स्थितियों को सुनिश्चित किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन सुधारों ने पंजीकरण, लाइसेंस और अनुपालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके व्यापार करने में आसानी में भी सुधार किया है। ये सकारात्मक संकेतक हमारे सुधारों और पहलों के प्रभाव को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रम सुधार भारत की कार्यबल नीतियों को आधुनिक बनाने के प्रयासों का आधार रहे हैं।मनुसख मंडाविया ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना एक और महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र है, उन्होंने कहा कि भारत के केंद्रीय बजट 2025-26 में 2047 तक 70 फीसदी महिला कार्यबल भागीदारी हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के बारे में कहा कि भारत की 65 फीसदी आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। इसलिए कौशल विकास एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। उन?होंने कहा कि भारतीय स्नातकों की रोजगार क्षमता 2013 में 33.95 फीसदी से बढ़कर 2024 में 54.81 फीसदी हो गई है। श्रम एवं रोजगार मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल ने 440 मिलियन से अधिक नौकरियों के अवसर उपलब्ध कराए हैं। मनुसख मंडाविया ने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का आधुनिकीकरण किया गया है, ताकि अधिक श्रमिकों को इसका लाभ मिल सके।

वर्ष 2024-25 का हाउस टैक्स जमा करने पर पुराना बकाया होगा माफ

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने फैसला किया है कि जो लोग तय समय सीमा के अंदर वित्त वर्ष 2024-25 का पूरा हाउस टैक्स जमा कर देंगे, उनका पिछला बकाया सारा हाउस टैक्स माफ कर दिया

जाएगा। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह, नेता दुर्गेश पाठक, मेयर महेश खींची और नेता सदन मुकेश गोयल सोमवार को संयुक्त संवाददाता सम्मेलन कर इस फैसले की जानकारी दी। श्री संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने हमेशा से आम लोगों के फायदे और उनकी जिंदगी में सहूलियत देने के लिए काम किया है। इसी दिशा में निगम एक बहुत बड़ा कदम उठा रही है। इसके तहत जो लोग 2024-25 के हाउस टैक्स का भुगतान कर देंगे, उनका पिछला सारा बकाया हाउस टैक्स माफ कर दिया जाएगा।

भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता आगे बढ़ाने पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू कर दी है। दोनों देशों ने नई दिल्ली में एफटीए पर विस्तार से बातचीत को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूनाइटेड किंगडम के व्यापार और वाणिज्य विभाग के राज्य सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स ने यह घोषणा की। इससे दोनों देशों के बीच अगले 10 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार मौजूदा 20 अरब डॉलर से दोगुना या तिगुना होने की उम्मीद है।

पीयूष गोयल ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि दोनों देशों ने व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि हम एक दूरदर्शी, पारदर्शी और महत्वाकांक्षी भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत फिर से शुरू कर रहे हैं, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत और ब्रिटेन घनिष्ठ साझेदार हैं, जो सुरक्षा और रक्षा, नई और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, जलवायु, स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार, हरित वित्त और लोगों के बीच संपर्क पर सहयोग पर आधारित है।

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि इस रिश्ते के केंद्र में आर्थिक विकास और सतत विकास प्रदान करने की सामूहिक आकांक्षा है। दोनों पक्ष एक संतुलित, पारस्परिक रूप से लाभकारी और दूरदर्शी समझौते की दिशा में बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जो पारस्परिक विकास प्रदान करता है और दो पूरक अर्थव्यवस्थाओं की ताकत को बढ़ाता है। गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने से दोनों देशों में व्यापार और उपभोक्ताओं के लिए अवसरों को खोलने और पहले से ही गहरे संबंधों को और मजबूत करने की क्षमता है। उन?होंने कहा कि यह घोषणा दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के स्तर पर हुई उपरोक्त चर्चाओं का परिणाम है। वाणिज?य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने वार्ताकारों को निर्देश दिया कि वे समझौते में लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए मिलकर काम करें, ताकि साझा सफलता के लिए निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार समझौता सुनिश्चित हो सके। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने नवंबर 2024 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की और शीघ्र ही एफटीए वार्ता फिर से शुरू करने के महत्व को रेखांकित किया था।

राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के प्रतीक हैं देवाधिदेव शिव

महाशिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊजाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे

प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को ह्यकालों का काल' और ह्यदेवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ह्यह्यजिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से ह्यसगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।'

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे ह्यनीलकंठह्ण के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य और पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

मेलोनी का मास्टर स्ट्रोक

इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने वाशिंगटन में आयोजित कंजर्वेटिव पॉलटिक्स एक्शन कांफ्रेंस में वामपंथ की खुलकर आलोचना करते हुए रूढ़िवादी बातों पर जोर दिया। वीड़ियो लिंक द्वारा दिये भाषण में मेलोनी ने कहा 90 के दशक में बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर के वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क बनाने पर उन्हें अनुभवी व प्रतिष्ठित राजनेता कहा गया। आज जब ट्रंप, मेलोनी, (अजंर्टीना के राष्ट्रपति जेवियर) माइली या शायद (नरेन्द्र) मोदी बात करते हैं तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। मेलोनी ने कहा यह दोहरा मापदंड़ है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं। अच्छी बात यह है कि वे हम पर चाहे जितना कीचड़.उछालें, लोग उनके झूठ पर अब भरोसा नहीं करते। आगे उन्होंने कहा, ट्रंप की जीत से वामपंथी घबराये हुए हैं। उदारवादी नेटवर्क के तौर पर वर्णित संगठन की तीखी आलोचना करते हुए उन्होंने वामपंथियों पर पाखंड़ करने और विश्व स्तर पर रूढ़िवादी नेताओं के उदय पर उन्मादी प्रक्रियाओं पर सीधे वार किए। अति दक्षिणपंथी ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी की नेता मेलोनी के ये तेवर रोम में उनके राजनैतिक विरोधियों के लिए यह सांप लोटने सरीखा है। मेलोनी के विचारों से ट्रंप की यूरोप के प्रति अमेरिकी नीति में बदलाव तथा यूरोपीय सहयोगियों के दरम्यान तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के संकेत स्पष्ट नजर आते हैं। यूरोप के व्यापार असंतुलन व टैरिफ बढ़ाने के ऐलान के बाद से नया विवाद जारी है। कहा जा सकता है कि नये अमरीकी प्रशासन को वह किसी भी कीमत पर नाराज करने को राजी नहीं हैं। इस कांफ्रेंस का मकसद ही दुनिया में रूढ़िवादियों की सबसे बड़ी व प्रभावशाली सभा के रूप में दुनिया के समक्ष अपनी ताकत का इजहार करना है। तय रूप से वर्तमान समय में मेलोनी या अन्य रूढ़िवादी नेताओं ने वामपंथियों पर तीखे वार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वे जनता के समक्ष उदारवादियों की कलई उतारने और संगठित रूप से अपनी जड़े.मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं। व्यापक प्रचार व तीखे तेवरों के भरोसे वे अपने मकसद में काफी हद तक सफल भी होते जा रहे हैं। विचारणीय है कि बीते दशक में यूरोप में रूढ़िवादी व दक्षिणपंथियों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इस पर चिंता भले ही जताई जा रही है, परंतु मतदाताओं की बदलती विचारधारा पर गहन विश्लेषण की जरूरत को भी बरगलाया जाना अनुचित नहीं कहा जा सकता। मेलोनी के तेवरों से रूढ़िवादियों को सीना चौड़ा करने का फिर से सुनहरा मौका हाथ लगा है।

चिंतन-मनन

सोच समझकर हो प्रशंसा

अक्सर जब तुम प्रशंसा करते हो तो किसी और की तुलना में करते हो। किसी एक की प्रशंसा करने में हम किसी दूसरे को नीचा दिखाते हैं और किसी की गलती को दशार्ने के लिए हम दूसरे की प्रशंसा करते हैं। कुछ लोग प्रशंसा करने में कंजूस होते हैं और कुछ शमीर्ले। कुछ लोगों को प्रशंसा करनी नहीं आती और प्रशंसा करना भूल जाते हैं। कुछ व्यक्ति मतलब के लिए प्रशंसा करते हैं और कुछ तुम्हें उठाने के लिए। कुछ और लोग अपने आत्मविश्वास की कमी को छुपाने के लिए स्वयं की प्रशंसा करते हैं। किन्तु वास्तविक प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से निकलती है। जो प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से आती है, वह स्वरूप से आती है और बिल्कुल भिन्न होती है। साधारणतः प्रशंसा लालसा और दम्भ से आती है। उन्नत चेतना की अवस्था से आई प्रशंसा पूर्णता से उभरती है। निःसंदेह प्रशंसा चेतना को उभारती है और उत्साह व ऊर्जा लाती है। परंतु साथ ही यह घमंड भी ला सकती है।

प्रशंसा करना भी एक कौशल है। जब कोई तुम्हारी प्रशंसा करता है, तो क्या तुम बिना शर्माए उसे स्वीकार करते हो? बिना शर्माए प्रशंसा को स्वीकार करना भी एक कुशलता है। तुम किसी की प्रशंसा कब करते हो? जब वे कुछ अनोखा करते हैं, असाधारण, जो उनके स्वभाव के अनुसार नहीं है। जब एक दुष्ट व्यक्ति कोई समस्या पैदा नहीं करता, तब तुम उसकी तारीफ करते हो। या कोई व्यक्ति जिसे भला नहीं समझते, जब कुछ नेक काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो। जब कोई भला आदमी अत्यन्त असाधारण काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो।

यदि कोई बच्चा एक प्याली चाय बनाता है तो तुम प्रशंसा करते हो, परंतु वही एक प्याली चाय यदि मां बनाए तो तुम शायद तारीफ न करो, क्योंकि उसके लिए यह नियमित कार्य है। इन सभी स्थितियों में जिन कार्य की तुम प्रशंसा करते हो, वे अल्पकालिक हैं, उनके आचरण से अलग या उनके स्वभाव के विपरीत। तो जब तुम किसी चीज के लिए किसी की प्रशंसा करते हो, तुम संकेत करते हो कि वे लोग साधारणतः ऐसे नहीं हैं। इसका मतलब है कि वह कार्य उनके स्वभाव में नहीं और इसीलिए वे अपनी प्रशंसा चाहते हैं- यह एक विरला गुण या कृत्य है। प्रशंसा एक अलगाव के भाव, एक दूरी को इंगित करती है, इसीलिए प्रशंसा करते समय सावधान रहो।

आस्था का महापर्व- प्रयागराज, काशी, अध्योध्या में भक्तों का सैलाब

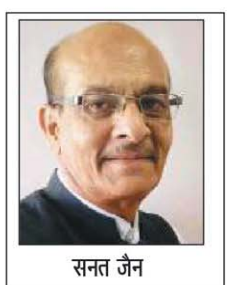

सनत जैन

आस्था के महापर्व में प्रयागराज, बनारस और अयोध्या में भक्तों की भारी भीड़ पहुंच रही है। जनवरी और फरवरी का महीना आस्था के महापर्व के रूप में मनाया गया है। प्रयागराज मे महाकुंभ के आयोजन में करोड़ों भक्तों की आस्था देखने को मिली। 12 जनवरी से 26 फरवरी के बीच विभिन्न पर्वों के दौरान प्रयागराज में भक्तों का बड़ी संख्या में आगमन हुआ। 200 किलोमीटर दूर तक जाम लग गया। भगदड़ भी मची। आगजनी की घटनाएं भी हुईं लेकिन भक्तों की आस्था कम नहीं हुई। विभिन्न राज्यों से तथा विदेशों से बड़ी संख्या में भक्त प्रयागराज पहुंचे। भक्तों को कितनी भी कठिनाई हुई, उसकी किसी ने शिकायत नहीं की। अपनी आस्था के केंद्र बिंदु में जिस प्रयोजन के लिए वह वहां पहुंचे थे उसका उन्होंने आस्था के साथ जुड़कर कार्य को पूर्ण किया है। अब महाकुंभ समाप्ति की ओर है। इसके बाद भी भक्तों का रेला प्रयागराज में बना हुआ है। पहले ऐसा लग रहा था, समापन के अवसर पर भक्तों की भीड़ कम होगी, लेकिन इसके विपरीत भक्तों का आगमन बड़ी संख्या में अभी भी जारी है। 25 फरवरी तक प्रयागराज में भक्तों की जो भीड़ देखने को मिली है, वह अपने आप में आश्चर्य पैदा करने वाली है। प्रयागराज के साथ-साथ अब भक्तों की भीड़ बनारस और अयोध्या में बाबा विश्वनाथ और भगवान राम के दर्शन के लिए जा रही है। महाशिवरात्रि के लिए भव्य और ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में की गई है। महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ भक्तों को लगातार 46 घंटे से अधिक समय तक दर्शन देंगे। 26 फरवरी की सुबह मंगला आरती के बाद से बाबा महाकाल के दर्शन भक्तों को मिलना शुरू हो जाएंगे। 28 फरवरी की रात 1 बजे तक बाबा विश्वनाथ के दर्शन भक्तों को होंगे। बनारस में लाखों की संख्या में भक्त हर घंटे पहुंच रहे हैं। पहली बार शिव बारात महाशिवरात्रि के 1 दिन बाद निकालने का निर्णय आयोजन समिति और जिला प्रशासन द्वारा किया गया है। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए इस बार महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा विश्वनाथ की बारात नहीं निकलेगी। बाबा अपने मंदिर में ही भक्तों को दर्शन देंगे। बनारस में इन दिनों 20 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए 25 फरवरी के बाद से 2 दिन तक वाहनों का प्रवेश बनारस में बंद कर दिया गया है। बाबा विश्वनाथ के सुगम दर्शन हों, इसके लिए वीआईपी व्यवस्था बंद कर दी गई है। सभी भक्त लाइन में लगकर बाबा के दर्शन करेंगे। महाकुंभ के अवसर पर संगम तट पर जो भी श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे थे, अब वे हनुमान जी और बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर अयोध्या जाकर भगवान राम के दर्शन कर रहे हैं। जिसके कारण तीनों ही स्थान पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। आस्था के इस महापर्व पर जिस तरह से भक्तों की भीड़ उमड़ी है उसको देखकर सभी आश्चर्यचकित हैं। भक्तों की भारी भीड़ से स्पष्ट है, भारत में धार्मिक आस्था, भक्तों के दिलो और दिमाग में सबसे ऊपर है। भारी भीड़ और अव्यवस्था के बाद भी करोड़ों की संख्या में भक्त धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर अपनी आस्था का प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि 60 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में आकर संगम में डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज, बनारस और अयोध्या में इन दिनों दूध, सब्जियां दवाओं, ईंधन, खाने-पीने के सामान की भारी कमी देखने को मिल रही है। आपातकालीन सेवाओं को लेकर भी भारी अफरा-तफरी मची हुई है। इसके बाद भी भक्तों की आस्था का सैलाब कम नहीं हो रहा है। महाकुंभ का समापन 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ हो जाएगा। इसके बाद भी तीनों धार्मिक स्थलों पर भक्तों की भीड़ कई दिनों बाद तक बनी रहेगी। भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन भक्तों से दर्शन कर-के अपने-अपने गन्तव्य स्थान पर जाने का अनुरोध कर रहे हैं। जिस संख्या में श्रद्धालु धार्मिक स्थलों पर पहुंच रहे हैं उस संख्या को देखते हुए, यही कहा जा सकता है, कि किसी भी व्यवस्था को बनाए रखना व्यवस्थापकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। अव्यवस्था के बीच व्यवस्था किस तरह से बनती है, इसका श्रेय भक्तों के ऊपर जाता है। भक्तों ने अपनी आस्था को आधार बनाकर हर असुविधा और अपनी तकलीफ को सहज रूप से स्वीकार कर लिया। भक्त अपने जिस लक्ष्य को लेकर वहां पहुंचे थे। उसके अलावा अन्य किसी ओर भक्तों ने ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण अव्यवस्था के बीच किस तरह से व्यवस्था स्वमेव बनती चली जाती है, यह महाकुंभ इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

मुद्दा : कतर से दोस्ती इसलिए है जरूरी

गिरीश पांड़े

कतर के शेख तमीम बिन हमद अलझथानी की हालिया 17 से 18 फरवरी,2025 की दो दिवसीय भारत की आधिकारिक यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बुलावे पर की गई थी और वह 2015 के बाद दूसरी बार भारत पहुंचे। उन्हें प्रधानमंत्री स्वयं प्रोटोकॉल तोड़ खुद एयरपोर्ट पर रिसीव करने गए थे। इससे सहज ही दोनों देशों के बीच संबंधों की उष्णता का पता चलता है। भारत-कतर संबंधों की अहमियत का पता इस बात से भी चलता है कि कतर की आबादी लगभग 29 लाख है, और वहां 8 लाख 35 हजार के आसपास भारतीय मौजूद है।

कहने को कतर क्षेत्रफल के लिहाज से त्रिपुरा के बराबर एक छोटा देश है, लेकिन कतर लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) और पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक है और भारत की ऊर्जा की जो भी जरूरतें रहती हैं, उसे काफी हद तक यह छोटा कतर ही पूरा कर रहा है। इसलिए ऊर्जा सहयोग भारत-कतर संबंधों का एक प्रमुख आधार बना हुआ है। इसके अलावा, वहां जो भारतीय काम करते हैं, वे हर साल भारत को तो अरबों रु पये भेजते ही हैं, साथ ही कतर की अर्थव्यवस्था में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस प्रकार कतर में यह भारतीय समुदाय दोनों देशों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है। कतर भारत पर काफी भरोसा करता है। इसलिए चीन और जापान के बाद भारत कतर का तीसरा बड़ा व्यापारिक भागीदार है। साल 2017 कोई भूला नहीं है जब मिडल ईस्ट के कई देशों ने कतर का बॉयकॉट कर दिया था, उस पर आरोप लगा था कि वो आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उसकी धरती से आईएस जैसे संगठन ऑपरेट कर रहे हैं। उस समय सऊदी अरब ने बड़े मिशन के तहत कतर के विमानों की अपने देश में एंट्री तक बैन करवा दी थी, लेकिन भारत ने उस समय समझदारी दिखाते हुए कूटनीति का परिचय दिया जहां पर सिर्फ कुछ समय के लिए कतर के साथ व्यापार को स्थगित किया गया, लेकिन जैसे ही स्थिति सामान्य हुई, फुल स्पीड में फिर ट्रेड को आगे बढ़ाया गया। ऐसे संकट के समय भारत ने कतर को बायकॉट करने के बजाय सहारा देने का काम किया था जिसे कतर भूला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अ-थानी के बीच नई दिल्ली में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान दोनों देशों ने व्यापार, ऊर्जा, निवेश, नवाचार, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण साझेदारी बढ़ाने का फैसला किया है। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और लोगों से लोगों के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर के द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है। इससे व्यापार, निवेश और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को और मजबूती मिलेगी। हाल के वर्षों में खाड़ी देशों के साथ भारत के रिश्तों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देशों में सऊदी अरब, यूएई, ओमान और कुवैत के बाद कतर पांचवां देश है, जिसके साथ भारत ने रणनीतिक साझेदारी समझौता किया है। दोनों देशों ने अगले पांच वषाङ्क में आपसी व्यापार को वर्तमान 14.08 अरब डॉलर से बढ़ाकर 28 अरब डालर करने का लक्ष्य भी रखा है। कतर ने भारत के प्रमुख क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने में रु चि व्यक्त की है। अभी कतर भारत को एलएनजीऔर तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता हैङ्क लेकिन अब रणनीतिक साझेदारी के तहत व्यापार इससे आगे भी बढ़ाया जाएगा। इससे आने वाले समय में कतर भी संयुक्त अरब अमीरातङ्क सऊदी अरबङ्क ओमान और कुवैत की तरह भारत के करीबी व्यापारिक सहयोगियों में शामिल हो जाएगा। भारत में कतर का मौजूदा निवेश देखें तो कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने पहले ही भारत में खुदराङ्क विद्युत क्षेत्रङ्क सूचना प्रौद्योगिकीङ्क शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाङ्क किफायती आवास में १.५ अरब डालर का निवेश किया है॥। भविष्य में बुनियादी ढांचा और बंदरगाह जहाज निर्माणङ्क नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट सिटी फूड पार्क और स्टार्टअप्सङ्क एआईङ्क रोबोटिक्सङ्क मशीन लनिृग जैसी नई प्रौद्योगिकि निवेश के संभावित क्षेत्र कहे जा सकते हैं। कतर की कंपनियों ने देश के तकनीकीङ्क बुनियादी ढांचे और विनिर्माण उद्योगों में महत्वपूर्ण निवेश किया हैङ्क जबकि भारतीय कंपनियों ने कतर में एक मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। निःसंदेह कतर के अमीर की भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच एक गहरी और बहुआयामी साझेदारी के लिए मंच तैयार कर दिया है। रणनीतिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करकेङ्क भारत और कतर महत्त्वपूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए तैयार हैं, जिससे उनके लंबे समय से चले आ रहे संबंध और मजबूत होंगे और क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्थिरता में योगदान मिलेगा। हम उम्मीद करेंगे कि भारत और कतर को नवाचार, प्रौद्योगिकी और स्टार्टिअप के क्षेत्र में और अधिक सहयोग बढक्षने के लिए आगे आना चाहिए जिससे हेल्थ केयर, ऊर्जा, पर्यटन एवं शिक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग का लाभ दोनों देशों को मिल सके।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार' मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

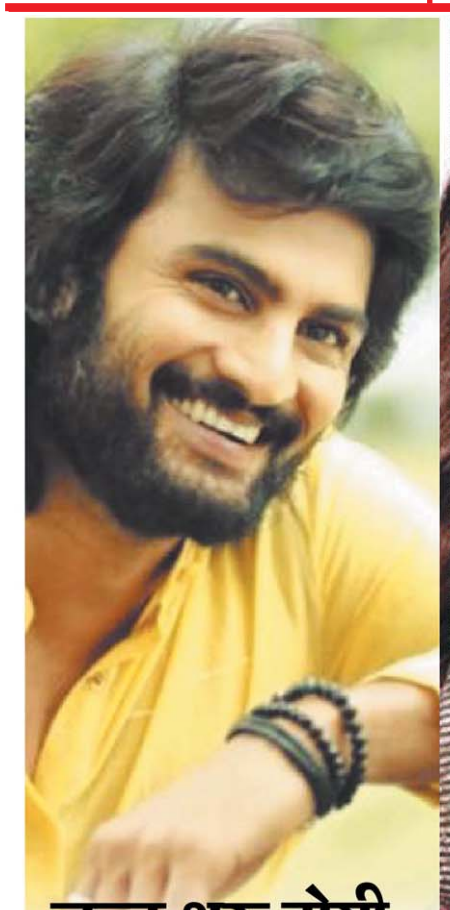

जल्द शुरू होगी सुधीर बाबू की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म जटाधरा की शूटिंग

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्मजटाधरा की शूटिंग पर जानकारी सामने आई है। यह मूल रूप से तेलुगु फिल्म है, जिसे पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। इसमें सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने जा रही है। जी स्टूडियोज ने पोस्ट साझा कर बताया है कि शूटिंग अगले महीने यानी फरवरी से शुरू होगी।

प्राचीन रहस्यों से उठेगा परदा

फिल्मजटाधरा की शूटिंग के लिए सेट हैदराबाद में सजेगा। आज इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में यह जानकारी है। दरअसल, मेकर्स ने फिल्म के तीन पोस्टर शेयर किए हैं। यह हिंदी, अंग्रेजी और तेलुगु भाषाओं में हैं। इसके साथ लिखा है,इंतजार खत्म हुआ! एक खजाना खोजना है, एक अभिशाप से लड़ना है। इस सुपरनैचुरल थ्रिलर में मिथक और रहस्य मिलते हैं। फिल्म में सुधीर बाबू नजर आएंगे। शूटिंग फरवरी से शुरू होगी।

रवीना टंडन के नजर आने की खबर

मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा जा रहा है कि इस फिल्म में अभिनेत्री रवीना टंडन भी नजर आएंगी। रवीना टंडन की दक्षिण भारतीय फिल्मों की बात करें तो उन्हें यश स्टारर केजीएफ- चैप्टर 2 में भी देखा गया था, जिसमें वो नेता के रोल में नजर आई थीं। कहा जा रहा है किजटाधरा में रवीना टंडन नेगेटिव भूमिका में नजर आएंगी।

शिविन नारंग करेंगे निर्देशन

फिल्मजटाधरा का पोस्टर बीते वर्ष अगस्त में जारी किया गया था। अब फिल्म की शूटिंग पर अपडेट आ गया है। इस फिल्म का निर्देशन शिविन नारंग कर रहे हैं। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है। इसका निर्माण प्रेरणा अरोड़ा कर रही हैं, जो इससे पहले परी, रूस्तम, पैडमैन और टॉयलेट- एक प्रेम कथा को भी बना चुकी हैं।

प्लास्टिक सर्जरी को गलत नहीं मानती हैं खुशी कपूर

लवयापा में नजर आने वाली अभिनेत्री खुशी कपूर ने अपने चेहरे की सर्जरी को लेकर हो रही बातों पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें इस बारे में बात करने से डर लगता था लेकिन अब वे कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में ज्यादा खुलकर बात करती हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करना कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।

लोगों से नफरत मिलने का था डर

कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में खुशी कपूर ने कहा कि लोगों से नफरत मिलने के डर से पहले में इस बात को मानने में डरती थी। हालांकि, खुशी को अब लगता है कि सर्जरी करवाना कोई अपराध नहीं है और अगर कोई व्यक्ति ऐसा कुछ करता भी है तो ये कोई गलत बात है।

नाक और होठ की करवाई सर्जरी

खुशी ने कहा कि लोगों को लगता है कि मैंने ऐसा किया। हां, लेकिन ये पूरी तरह से खूबसूरत लगता है। उन्होंने माना कि उन्होंने अपनी फिल्मी शुरुआत से पहले नाक की सर्जरी और होंठों में फिलर करवाया था। खुशी जल्द ही जुनैद खान के साथ फिल्म लवयापा में नजर आने वाली हैं।

दिल्ली के लड़के का निभाया है किरदार

फिल्म में उन्होंने एक स्थानीय दिल्ली के लड़के का किरदार निभाना था। इसके लिए उन्होंने दिल्ली की गलियों में समय बिताया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनके हाव-भाव और बोलचाल की भाषा को आत्मसात किया। जुनैद ने न केवल दिल्ली की बोली को समझा, बल्कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर उनके रहने के तरीके को भी महसूस किया।

फरवरी में रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 7 फरवरी को रिलीज होने जा रही है। इसकी रिलीज से पहले एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। कई समाचार पोर्टल में छपी खबरों की मानें तो इस फिल्म के लिए जुनैद ने काफी ज्यादा मेहनत की है। खुशी के फैंस भी उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं।

डेटिंग की खबरों पर रश्मिका ने लगाई मुहर

रश्मिका मंदाना अगली बार लक्ष्मण उतेकर की पीरियड ड्रामा फिल्म छावा में नजर आएंगी। वह फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं, इस दौरान उन्होंने हाल ही में में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बड़ी जानकारी दी। अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान रिलेशनशिप में होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि वह प्यार में हैं। हालांकि, उन्होंने अपने पार्टनर का नाम बताने से परहेज किया, वहीं अब उनके डेटिंग पार्टनर पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। रश्मिका के बारे में खबरें है कि वह अपने डियर कॉमरेड को-स्टार विजय देवरकोंडा के साथ रिलेशनशिप में हैं। अभिनेत्री ने अपने हैप्पी प्लेस के बारे में बात की, वहां उन्होंने बताया कि वह एक पार्टनर हैं।

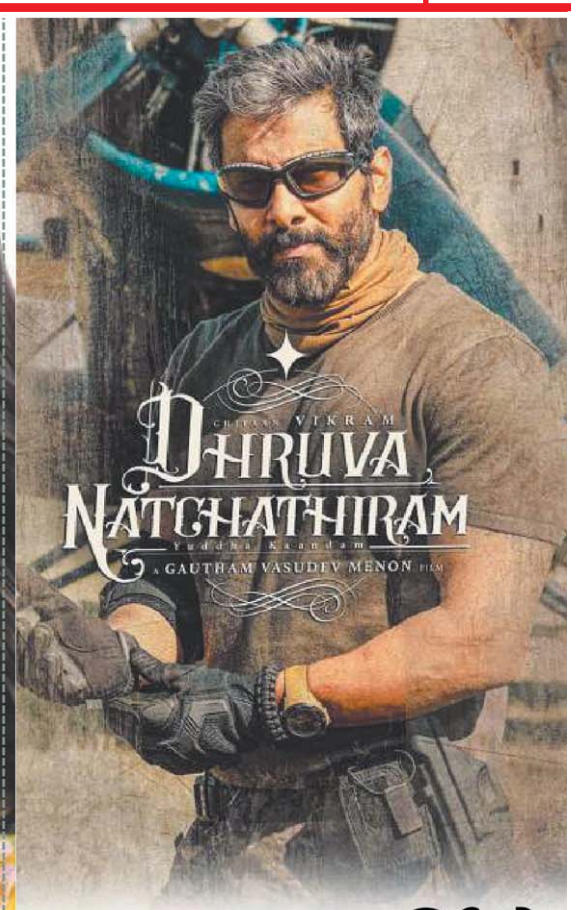

इस साल गर्मियों में रिलीज होगी विक्रम की ध्रुव नचतिरम

साउथ अभिनेता चियान विक्रम इन दिनों अपनी आगामी फिल्मध्रुव नचतिरम को लेकर फिर से सुर्खियों में है। वहीं फिल्म के निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन ने एक रोमांच जानकारी से प्रशंसकों को खुश कर दिया है। विक्रम साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक मणिरणत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन में ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ अहम भूमिका से सभी का दिल जीत चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में मेनन ने घोषणा की कि ध्रुव नचतिरम गर्मियों में रिलीज के लिए तैयार है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ध्रुव नचतिरम 24 मार्च 2025 को रिलीज हो सकती है।

फिल्म ध्रुव नचतिरम की स्टार कास्ट

फिल्म ध्रुव नचतिरम में रितु वर्मा को विक्रम की प्रेमिका के रूप में दिखाया गया है। ध्रुव नचतिरम एक लंबे समय से प्रतीक्षित तमिल फिल्म है, जिसकी रिलीज का प्रशंसक इंतजार कर रहे हैं। गौतम वासुदेव मेनन द्वारा लिखित और निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में विक्रम और रितु वर्मा के अलावा ऐश्वर्या राजेश, राधिका सरथकुमार, अर्जुन दास, सिमरन, डीडी, आर. पार्थिबन और कई कलाकार नजर आएंगे। वहीं ध्रुव नचतिरम का हैरिस जयराज नेध्रुव नचतिरम का संगीत तैयार किया है। ध्रुव नचतिरम ओन्ड्रागा एंटरटेनमेंट, कोंडाडुवोम एंटरटेनमेंट और एस्केप आर्टिस्ट मोशन पिक्चर्स का संयुक्त प्रोडक्शन है।

फिल्म की कहानी

ध्रुव नचतिरम एक जासूसी एक्शन थ्रिलर है, जिसमें कहानी जॉन (विक्रम) के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी, जो न्यूयॉर्क में स्थित एक अंडरकवर एजेंट है। वह और उसकी टीम एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल हैं, जिसका नेतृत्व मिस्टर के नाम के एक आदमी कर रहा है। जॉन और उनकी टीम तब हरकत में आती है जब बुरे लोग मिस्टर के को पकड़ लेते हैं, और उन्हें अंधेरे में छोड़ देते हैं। हमले के पीछे संगठन का मकसद क्या है?

यह रोमांस को लेकर क्या बोल गईं पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े ने कुछ ही देर पहले अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ पूजा ने कैप्शन में लिखा, बस थोड़ा सा रोमांस ही काफी है। पूजा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म देवा को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। देवा में पूजा के साथ शाहिद कपूर नजर आएंगे। देवा के अलावा पूजा दलपति विजय की 69वीं फिल्म जन नायकन में नजर आएंगी। पूजा के इंस्टाग्राम पर 27.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

मनोज बाजपेयी की फैमिली मैन 3 में नजर आ सकते हैं जयदीप अहलावत

जयदीप अहलावत की पाताल लोक के दूसरे सीजन की धमाकेदार वापसी के बाद दर्शक मनोज बाजपेयी की द फैमिली मैन के नए सीजन की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच खबर है कि दोनों अभिनेता इस सीरीज में साथ काम करते नजर आ सकते हैं।

जयदीप के किरदार को लेकर हुई बात फिल्म फेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक जयदीप फैमिली मैन 3 में मनोज बाजपेयी के दुश्मन की भूमिका निभा सकते हैं। शो से जुड़े एक सूत्र ने प्रकाशन को बताया, द फैमिली मैन सीजन 3 में जयदीप की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। खबरों की मानें तो उनका किरदार मनोज बाजपेयी के श्रीकांत के खिलाफ होगा और दर्शकों को स्क्रीन के इन दो दिग्गजों को एक-दूसरे से दुश्मनी निभाते नजर आ सकते हैं।

पाताल लोक 2 को मिल रही तारीफ जयदीप अहलावत को उनकी सीरीज पाताल लोक 3 को लिए चार साल के इंतजार के बाद जयदीप अहलावत पाताल लोक सीजन 2 में हाथी राम चौधरी के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए वापस आ गए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में जयदीप अहलावत के एक दिलचस्प पोस्टर के साथ नए सीजन की। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि राज और डीके द फैमिली मैन सीजन 4 को साइन करेंगे। एक सूत्र के हवाले से कहा गया था कि तीसरे सीजन की शूटिंग चल रही है, वहीं चौथे सीजन के साथ सीरीज को साइन करने के बारे में चर्चा हुई है।

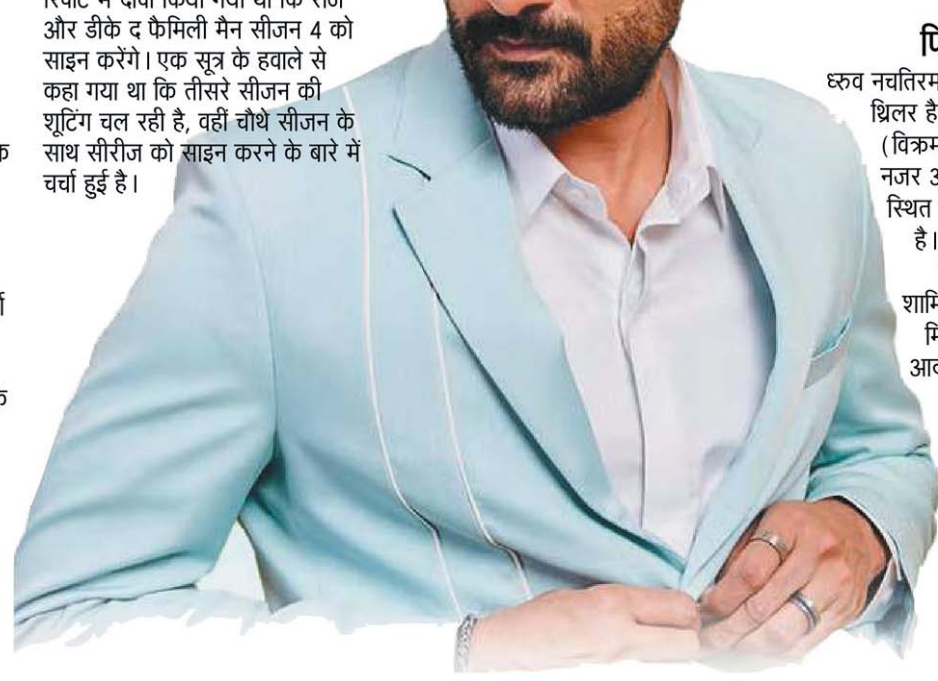

'कृष 4' में देरी पर राकेश रोशन, नहीं चाहता लोग मुझे फ्लॉप निर्देशक के तौर पर याद रखें

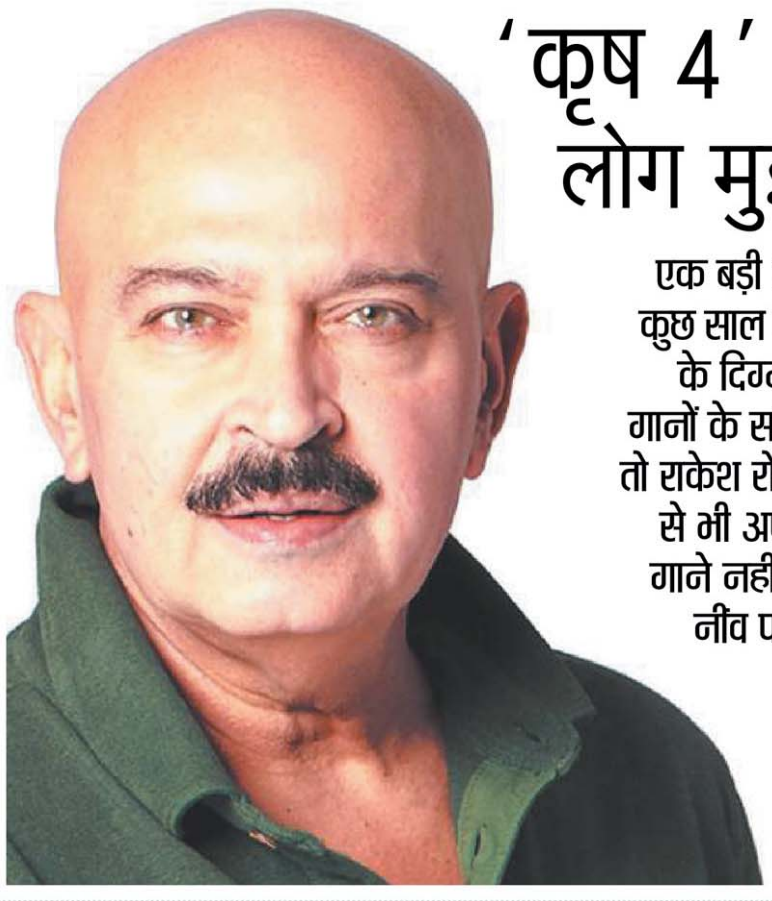

एक बड़ी म्यूजिक कंपनी ने कुछ साल पहले हिंदी सिनेमा के दिग्गज संगीतकारों के गानों के संग्रह प्रकाशित किए तो राकेश रोशन को उसमें ढूंढे से भी अपने पिता रोशन के गाने नहीं मिले। बस वहीं से नींव पड़ी नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'द रोशन्स' की।

हिंदी सिनेमा को अपने संगीत, अपने निर्देशन और अपने अभिनय से रौशन करने वाले रोशन परिवार के दीये आज तक सबसे तेज जगमगा रहे हैं। आपको इस शब्द की या इस नाम की अहमियत पहली बार कब समझ आई?

मेरा असली नाम राकेश नागरथ है। मेरी पढ़ाई इसी नाम से हुई। तमाम सरकारी कागजात पर अब भी मेरा यही नाम है। ये उन दिनों की बात है जब मै फिल्मों में सहायक निर्देशक का काम तलाश रहा था। नाज सिनेमा बिल्डिंग में सारे निर्माताओं के दफ्तर हुआ करते थे और मैं वहां काम मांगने जाता तो दफ्तर के कर्मचारियों से कहता कि साहब को बोलो, रोशन साब के बेटे आए हैं मिलने। लोग मुझे बुलाते। कुर्सी से खड़े होकर हाथ मिलाते। बड़ा सम्मान देते। इस नाम की मैंने इतनी महता देखी तो इसे अपने नाम के साथ जोड़ लिया।

ये बीते छह दशक जो बिना पिता के आपके बीते हैं, उनका संघर्ष कितनी बड़ी चुनौती रही आपके लिए?

संघर्ष तो अब भी है। बीते 70 साल से चला आ रहा है। आगे भी चलता ही रहेगा। जीवन में संघर्ष निरंतर है। अभी बात होती है क्या बनाऊं? 'कृष 4' की बात होती है तो उसको भी बनाने पर बात होती है कि लोगों को पसंद आएगी कि नहीं, आएगी। तो चुनौती तो है, वही जीवन है। 18 फिल्में बना चुके निर्माता राकेश रोशन के लिए क्या चुनौती हो सकती है? क्या ये चुनौती निर्देशक राकेश रोशन की फिल्म के 1000-1500 करोड़ रुपये कमाने की है?

हमें पैसे कमाने के लिए फिल्म नहीं बनाना है। ऐसा हम कभी नहीं करेंगे। हमारा डर ये है कि लोग हमें कैसे याद करेंगे? हमने 15-16 फिल्में बनाई हैं। एक निर्देशक को लोग उसकी आखिरी फिल्म से याद करते हैं। मैं नहीं चाहता कि लोग मुझे एक फ्लॉप फिल्म के निर्देशक के रूप मे याद करें। आपके पिता रोशन की संगीतबद्ध फिल्म 'सूरत और सीरत' के गाने 'बहुत दिया देने वाले ने तुझको' के पहले जो बांसुरी बजती है, वही आपकी फिल्म 'करण अर्जुन' के गाने 'ये बंधन तो प्यार का बंधन है' की धुन बनी है।

आपको संगीत से कितना लगाव है? कभी आपने भी कोई गाना लिखा या कंपोज किया?

'सूरत और सीरत' के गाने की जहां तक बात है, ये राजेश को पता होगा। मुझे नहीं लगता कि हमने 'सूरत और सीरत' फिल्म के किसी गाने से कोई धुन ली होगी। संगीत की बात करें तो हां, मैं गिटार बजाता हूं। पियानो बजाता हूं। फिल्मों का संगीत तो हम सब मिलकर ही तैयार करते हैं। लेकिन, अगर किसी एक गाने की ही बात करूं तो 'प्यार की कश्ती में' की धुन मेरी बनाई हुई है। ये गाना भी मेरा लिखा हुआ है।

संगीतकार रोशन के गानों में अध्यात्म का बहुत गहरा असर दिखता है। इसके बारे में क्या कहेंगे?

हमने हमेशा पारिवारिक फिल्में बनाई। ऐसी फिल्में जिन्हें पूरा परिवार साथ बैठकर देख सके। मैंने कभी कोई ओछी पिक्चर नहीं बनाई। हमारे गानों में एक बात होती है और हम इस पर शुरू से कायम रहे। अच्छे बोलों के साथ ही गाने बनाए। राजेश ने भी अच्छे बोलों के साथ ही गाने बनाए।

और, इस वेब सीरीज 'द रोशन्स' को बनाने का मकसद क्या रहा?

ये सीरीज हमने अपनी तारीफ के लिए कतई नहीं बनाई है। हमने इस सीरीज में ये बताने की कोशिश की है, हमने तब से लेकर आज तक किस तरह के संघर्ष सिनेमा में देखे हैं। अगर सबसे तारीफ ही करानी होती तो फिर इस सीरीज को बनाने का कोई मतलब ही नहीं था।

चैंपियन्स ट्रॉफी : पाकिस्तान के जल्दी बाहर होने से पीसीबी नाराज, हो सकती है बड़ी कार्रवाई

दुबई (एजेंसी)। कराची - चैंपियन्स ट्रॉफी से राष्ट्रीय टीम के जल्दी बाहर होने से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में काफी निराशा और नाराजगी है लेकिन उसने 9 मार्च को टूर्नामेंट के अंत तक टीम के मामलों पर चुप रहने का फैसला किया है। पीसीबी के एक करीबी सूत्र ने कहा कि अधिकारी टूर्नामेंट में टीम के प्रदर्शन से आहत हैं, विशेषकर पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ।

सूत्र ने कहा, 'लेकिन बड़े परिदृश्य को देखते हुए जो चैंपियंस ट्रॉफी की सफल मेजबानी है और यह सुनिश्चित करना है कि यह मेजबान देश के रूप में पाकिस्तान क्रिकेट के लिए सकारात्मक प्रचार लाए, टीम के प्रदर्शन पर अभी कुछ भी नहीं कहने का फैसला किया गया है।'

सूत्र ने कहा कि आंतरिक रूप से टीम, चयन या भविष्य की योजनाओं पर चर्चा नहीं करने पर सहमति बनी है क्योंकि यह केवल टूर्नामेंट से ध्यान भटकाएगा और पाकिस्तान क्रिकेट के लिए 'नकारात्मक सुर्खियां' लाएगा। सत्र ने कहा, 'बोर्ड नेतृत्व को भी अहसास है कि प्रतियोगिता में टीम में लचर प्रदर्शन के लिए कोई बहाना या बचाव नहीं दिया जा सकता है।'

सूत्र ने बताया कि पीसीबी चैंपियन्स ट्रॉफी की सफल मेजबानी को पाकिस्तान में और अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को लाने के प्रवेश द्वार के रूप में देखता है, भले ही टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार हासिल करने के लिए उसे कई बाधाओं का सामना करना पड़ा हो। हालांकि सूत्र ने स्वीकार किया कि टूर्नामेंट खत्म होने के बाद इसकी पूरी समीक्षा की जाएगी कि कैसे और कहां चीजें गलत हुईं।

सूत्र ने कहा, 'पाकिस्तान को 15 मार्च से न्यूजीलैंड में सफेद गेंद की श्रृंखला खेलनी है और अंतरिम मुख्य कोच के रूप में आकिब जावेद का अनुबंध 27 फरवरी को समाप्त हो जाएगा जब पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मैच खेलेगा।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए निश्चित रूप से बोर्ड को न्यूजीलैंड दौरे के लिए मुख्य कोच चुनना होगा लेकिन यह नियुक्ति अंतरिम प्रकृति की भी हो सकती है। राष्ट्रीय हाई परफोर्मेंस केंद्र से कोई व्यक्ति हो सकता है क्योंकि पीसीबी ने स्थायी मुख्य कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं की है।' सूत्र ने कहा कि पीसीबी इस साल अगस्त से अगले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत से पहले नए मुख्य कोच की नियुक्ति करेगा।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने भारत-पाकिस्तान पर दी प्रतिक्रिया, बोले- अब एकतरफा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा एक बहुप्रतीक्षित घटना होती है, लेकिन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का मानना है कि मुकाबला 'एकतरफा' हो गया है और क्रिकेट प्रचार के अनुरूप नहीं है। एथरटन ने कहा, 'ठीक है, यह पूरी तरह से एकतरफा था। यह बहुत दूर से ही बहुत अनुमानित लग रहा था। पाकिस्तान की बल्लेबाजी लाइन-अप कमजोर थी, जैसा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में था। बल्लेबाजी में बस थोड़ी ऊर्जा और गतिशीलता की कमी थी।'

भारत और पाकिस्तान केवल ICC आयोजनों में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं और उनके मुकाबलों को अक्सर ब्लॉकबस्टर मुकाबलों के रूप में बनाया जाता है। एथरटन ने कहा, 'उस मुकाबले के लिए थोड़ी समस्या है, है न? क्योंकि यह सभी तरह के कारणों से एक बहुप्रतीक्षित मुकाबला है। आंशिक रूप से, आप जानते हैं, सिर्फ कमी के कारण। वे स्पष्ट कारणों से केवल तटस्थ क्षेत्र में ICC आयोजनों में एक-दूसरे से खेलते हैं।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन उस मैच को लेकर काफी प्रचार है। आप चाहते हैं कि क्रिकेट भी उस प्रचार के अनुरूप हो। अगर आप पिछले 10 सालों के नतीजों को देखें, तो मुझे लगता है कि पिछले 10 सालों में वे एक-दूसरे से 9 बार खेल चुके हैं। पाकिस्तान ने सिर्फ एक बार जीत हासिल की है, और वह ओवल में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में थी। इसलिए अभी यह एकतरफा मुकाबला है।'

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की सुरक्षा पर उठे सवाल

-बांग्लादेश और न्यूजीलैंड मैच के दौरान मैदान में पहुंचा संदिग्ध आतंकी

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान में खेली जा रही आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का मामला सामने आया है। यहां सोमवार को हुए बांग्लादेश और न्यूजीलैंड मैच में एक संदिध व्यक्ति कीवी खिलाड़ी रचिन रविन्द्र तक पहुंच गया। इससे पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के कड़ी सुरक्षा रखने के दावे की पोल खुल गयी है। पीसीबी की परेशानी इसलिए भी बढ़ गयी है क्योंकि स्टेडियम में जो व्यक्ति पहुंचा था। वह प्रतिबंधित पार्टी तहरीक ए लब्बैक का समर्थक निकला। इस घटना के बाद पीसीबी ने कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को और बढ़ाया जाएगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी को निशाना बनाने की धमकी पहले ही आतंकियों ने दी है। अब जबकि पाक टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। ऐसे में आतंकी किसी हमले को भी अंजाम दे सकते हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी में अभी लगभग 10 मैच होने हैं। आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के प्रमुख अब्दुल कादिर मुमीम के भी अभी पाक में होने की बात सामने आयी है। हससे भी सुरक्षा बलों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार आईएसआईएस प्रमुख कादिर ने अपनी यात्रा में बलूचिस्तान में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासन प्रोविंस के आतंकवादियों से भी मुलाकात पर अभी तक सुरक्षाबल उसे पकड़ नहीं पाये हैं।

बांग्लादेश सहित कई अन्य देशों की टीमें आजकल पाक में हैं। अभी तीन मैच रावलपिंडी में, तीन मैच लाहौर में और दो मैच कराची में खेले जाने हैं। ये भी खुलासा हुआ है कि चैम्पियंस ट्रॉफी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के निशाने पर हो सकती है। इसके बाद से ही सेना ने स्टेडियम के आसपास सुरक्षा घेरा और कड़ा कर दिया है।पाक में साल 2009 में श्रीलंकाई टीम की बस पर आतंकी हमला हुआ था। उस कारण खिलाड़ियों में डर का माहौल है।

भारत और न्यूजीलैंड चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचे, पाकिस्तान और बांग्लादेश बाहर हुए

-ग्रुप बी में अभी तय नहीं हुए नाम

रावलपिंडी (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की टीम ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कीवी टीम की जीत के साथ ही पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं अपने दोनो मैच जीतने वाली भारतीय टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों ने अब तक अपने ग्रुप में 2-2 मैच खेले और दोनों में जीत दर्ज की है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीमों अपने दोनो ही मैच हारी हैं। इस प्रकार अंक तालिका के आधार पर ये दोनो ही टीमें बाहर हो गयी हैं। वहीं भारत और न्यजीलैंड ने पहले ओर दूसरे नंबर पर रहते हुए अंतिम चार में जगह बनायी है।

भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया था. इसके बाद पाकिस्तान को भी 6 विकेट से हराया। कीवी टीम ने अपने पहले ही मैच में पाक को 60 रनों से हराया था। अब ग्रुप-ए में 2 मैच और खेले जाएंगे पर इन दोनो के परिणामों से कोई अंतर नहीं पड़ेगा। ग्रुप का अगला मैच पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 27 फरवरी को रावलपिंडी में जबकि ग्रुप का अंतिम मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मार्च को दुबई में होगा।

वहीं न्यूजीलैंड-बांग्लादेश मैच की बात करें तो इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेशी टीम ने कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के 77 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 236 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को कीवी टीम ने रचिन रवींद्र के 112 रनों की सहायता से आसानी से हासिल कर लिया। इस मैच में रचिन और टॉम लेथम के बीच 129 रनों की साझेदारी हुई।

ग्रुप बी दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने एक एक मैच जीते हैं। इस प्रकार दोनों टीमें अंक तालिका में पहले और दूसरे नंबर पर हैं। वहीं इंग्लैंड और अफगानिस्तान की टीमों शुरुआती मैचों में हारी है। ऐसे में अभी सेमीफाइनल के पक्के तौर पर कुछ तय नहीं हुआ है हालांकि अब तक दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल की दौड़ में सबसे आगे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी : ब्रायडन कार्स चोट के कारण बाहर, इंग्लैंड टीम में इस खिलाड़ी की एंट्री

दुबई : आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की इवेंट तकनीकी समिति ने ब्रायडन कार्स के प्रतिस्थापन के रूप में रेहान अहमद के नाम की इंग्लैंड को मंजूरी दे दी है। पैर की अंगुली में चोट के कारण कार्से के बाहर होने के बाद छ्ह एक दिवसीय मैच खेलने वाले अहमद को प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया गया था। किसी खिलाड़ी के प्रतिस्थापन के लिए खिलाड़ी को आधिकारिक तौर पर टीम में शामिल करने से पहले इवेंट तकनीकी समिति की मंजूरी की आवश्यकता होती है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की इवेंट तकनीकी समिति में वसीम खान (आईसीसी महाप्रबंधक - क्रिकेट), सारा एडगर (आईसीसी वरिष्ठ प्रबंधक - इवेंट्स), उस्मान वाहला (पीसीबी निदेशक - अंतररष्ट्रीय क्रिकेट संचालन), शॉन पोलक (स्वतंत्र प्रतिनिधि) शामिल हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद इंग्लैंड इस समय ग्रुप बी में मुश्किल स्थिति में है।

इंग्लैंड टीम - जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड, रेहान अहमद।

अगर कप्तानी का मौका मिला तो केकेआर की अगुआई करने के लिए तैयार: वेंकटेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का कहना है कि अगर उन्हें आईपीएल 2025 में मौका मिला तो वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। वेंकटेश को हालांकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है। गत चैंपियन केकेआर ने अभी तक अपने कप्तान की घोषणा नहीं की है। टीम इस सत्र के शुरुआती मैच में ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से भिड़ेगी।

केकेआर ने पिछले सत्र मे श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था लेकिन उन्हें बड़ी नीलामी में पंजाब किंग्स ने खरीद लिया और बाद में अपना कप्तान बना दिया। वेंकटेश ने कहा, 'निश्चित रूप से, मैं तैयार हूं। मैंने हमेशा यह कहा है कि कप्तानी सिर्फ एक ठप्पा है। मैं नेतृत्व में विश्वास करता हूं। एक नेतृत्वकर्ता होने के नाते यह एक बड़ी भूमिका है। इस बारे में कोई अस्पष्टता नहीं है। अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं निश्चित रूप से इसे करूंगा। ऐसा नहीं करने का कोई कारण नहीं है।'

वेंकटेश ने कहा कि कप्तान को अच्छा आदर्श बनकर उदाहरण स्थापित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'आपको अपने ड्रेसिंग रूम में नेतृत्वकर्ता बनने के लिए कप्तान के ठप्पे की आवश्यकता नहीं है। आपको उदाहरण स्थापित करने की आवश्यकता है। आपको मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह एक अच्छा आदर्श बनने की जरूरत है जो मैं अभी मध्य प्रदेश में कर रहा हूं।' वेंकटेश ने कहा, 'मैं मध्य प्रदेश टीम का कप्तान नहीं हूं लेकिन मेरी राय का सम्मान किया जाता है और मुझे ऐसे माहौल में रहना पसंद है जहां हर व्यक्ति - नया या अनुभवी, 20 लाख रुपये, 20 करोड़ रुपये, जो भी हो - आपको बस अपनी राय व्यक्त करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। आपको बस राय देने और सुझाव देने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और उन्हें सही भावना से लिया जाना चाहिए।' वर्ष 2021 में केकेआर में शामिल हुए वेंकटेश को पिछले साल की नीलामी से पहले टीम ने छोड़ दिया था लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ नीलामी में कड़ी टक्कर के बाद 23.75 करोड़ रुपये में वापस खरीद लिया गया। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 51 आईपीएल मैच में 1,326 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने सभी आईपीएल मैच नाइट राइडर्स के लिए खेले हैं।

एकदिवसीय प्रारुप में विराट सबसे बेहतर खिलाड़ी : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। पोटिंग ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में विराट से अच्छा बल्लेबाज नहीं देखा है। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में दबाव के क्षणों में विराट ने ही शतक लगाकर भारतीय पारी को संभाला था। विराट की विपरीत हालातें में खेली इस पारी को देखकर पोंटिंग को कहना पड़ा है कि एकदिवसीय प्रारुप में विराट से बेहतर कोई भी खिलाड़ी नहीं है।

पोंटिंग ने अहम अवसरों पर आगे आकर खेलने की कोहली की क्षमता और इस दौरान रिकॉर्ड तोड़ने की क्षमता को सर्वश्रेष्ठ बताया है। इस पूर्व कप्तान ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि बड़े मैच बड़े नामों के बराबर होते हैं। आपको उन बड़े अवसरों पर अपने बड़े नामों को खड़ा करने की जरूरत होती है और भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बड़ा कोई मैच नहीं हो सकता। आपकी प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में आपके प्रदर्शन से बनती है। इसलिए मेरे लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ऐसा हुआ है। विराट को लेकर उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने मुश्किल विकेट पर पहले बल्लेबाजी की थी। इस तरह की मैच में जीतने वाली पारी खेलने के लिए शीर्ष क्रम में किसी की जरूरत थी और एक बार फिर कोहली ने इस काम को पूरा किया।

वह बोले, , दोनो टीमों का स्कोर देखें तो एक में विराट ने शतक बनाया और दूसरे में कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने शुरुआत हासिल की पर बड़ा स्कोर नहीं बनाया। मैंने हमेशा कहा है कि खेल के किसी भी प्रारूप में अर्धशतक से आप या आपकी टीम को कुछ नहीं मिलता। आपको बड़े स्कोर बनाने होते हैं। इस मैच में पाकिस्तान के लिए व्यक्तिगत बड़े स्कोर भी नहीं थे और ना ही बड़ी साझेदारियां थीं।

रणजी फाइनल : फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण विदर्भ का केरल पर पलड़ा भारी

नागपुर (एजेंसी)। अपने प्रमुख खिलाड़ियों की शानदार फार्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण पूर्व चैंपियन विदर्भ की टीम केरल के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। अक्षय वाडकर की अगुवाई वाली विदर्भ की टीम ने इस सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने अब तक अपने नौ मैचों में से आठ में जीत हासिल की है और एक ड्रा खेला है।

विदर्भ ने ग्रुप चरण में सात मैचों में छह मैच में जीत हासिल की। इसके बाद उसने क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु को 198 रन से और सेमीफाइनल में गत चैंपियन मुंबई को 80 रन के बड़े अंतर से हराया। विदर्भ 2017-18 और 2018-19 में रणजी चैंपियन बना था जबकि केरल की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची है। विदर्भ की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। वह पिछले साल फाइनल में मुंबई से हार गई थी जिसकी भरपाई वह इस साल करना चाहेगी।

विदर्भ की टीम ने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है। वह इस साल विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में भी पहुंची थी। विदर्भ के बल्लेबाजों ने इस सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसकी तरफ से यश राठौड़ ने 58.13 की औसत से 933 रन बनाए हैं जिसने पांच शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। कप्तान वाडकर ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। उन्होंने 48.14 की औसत से 674 रन बनाए हैं।

अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर भी उनसे अधिक पीछे नहीं हैं। उन्होंने 45.85 की औसत से 642 रन बनाए हैं। उनके अलावा दानिश मालेवार ने 557 और ध्रुव शोरे ने 446 रन बनाकर अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। गेंदबाजी में विदर्भ के लिए 22 वर्षीय हर्ष दुबे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अभी तक 66 विकेट लिए हैं और एक रणजी सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने के रिकॉर्ड से केवल दो विकेट दूर हैं।

रिकॉर्ड बिहार के आशुतोष अमन के नाम पर है जिन्होंने 2018-19 के सत्र में 68 विकेट लिए थे। दूसरी तरफ सचिन बेबी की अगुवाई वाली केरल की टीम अगर पहली बार फाइनल में पहुंची है तो इसमें किस्मत का भी बड़ा हाथ रहा। क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर को उसने केवल एक रन से हराया जबकि सेमीफाइनल में गुजरात के खिलाफ पहली पारी में दो रन की मामूली बढ़त के आधार पर वह फाइनल में जगह बनाने में सफल रहा।

सलमान निजार और मोहम्मद अजहरुद्दीन केरल की बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ हैं। निजार ने वर्तमान सत्र में अभी तक 86.71 की औसत से 607 रन जबकि अजहरुद्दीन ने 75.12 की औसत से 601 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में जलज सक्सेना केरल के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने अभी तक 38 विकेट लिए हैं। विदर्भ के पूर्व खिलाड़ी आदित्य सरवटे ने 30 विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया है।

टीम इस प्रकार हैं

विदर्भ : अक्षय वाडकर (कप्तान और विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अमन मोखड़े, यश राठौड़, हर्ष दुबे, अक्षय कर्णेवार, यश कदम, अक्षय वखारे, आदित्य ठाकरे, दर्शन नालकंडे, नचिकेत भूते, सिद्धेश वाथ (विकेटकीपर), यश ठाकुर, दानिश मालेवार, पार्थ रेखाडे, करुण नायर, ध्रुव शौरे।

केरल : सचिन बेबी (कप्तान), रोहन कुन्नूमल, सलमान निज़ार, मोहम्मद अज़हरुद्दीन (विकेटकीपर), अक्षय चंद्रन, जलज सक्सेना, शॉन रोजर, आदित्य सरवटे, बासिल थम्पी, एमडी निधिश, नेदुमंकुझी बासिल, श्रीहरि एस नायर, शराफुद्दीन एनएम, आनंद कृष्णन, वरुण नयनार, ईडन एप्पल टॉम, अहमद इमरान।

चेन्नई सुपर किंग्स ने श्रीधरन को बनाया सहायक कोच

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम ने आईपीएल के 2025 सत्र के लिए सहायक गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम को शामिल किया है। श्रीराम पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं, और उन्होंने भारतीय टीम के लिए 2000 से 2004 के बीच आठ वनडे मैच खेले थे। हालांकि उन्हें भारतीय टीम में ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका प्रभाव था और वे एक शानदार ऑलराउंडर रहे हैं। श्रीराम की नियुक्ति सीएसके के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है, क्योंकि उनकी गेंदबाजी समझ और अनुभव सीएसके के बॉलर को और भी बेहतर बना सकता है। सीएसके पास महेन्द्र सिंह धोनी के अलावा रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना जैसे अहम खिलाड़ी हैं। सीएसके के प्रशंसकों में इस बार काफी उत्साह है सीएसके ने इस बार के मेगा नीमी में कई बड़े खिलाड़ी खरीदे हैं, जिनमें दिग्गज स्पिन गेंदबाज आर अश्विन का नाम प्रमुख है। अश्विन के होने से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। टीम के पास नए खिलाड़ी जैसे नूर अहमद, खलील अहमद, और राहुल त्रिपाठी भी हैं जिससे उसे काफी उम्मीदें हैं। सीएसके की टीम में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं जिससे वह अलग-अलग परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी। सीएसके के प्रशंसकों के लिए यह सत्र खास होने वाला है, क्योंकि टीम ने इस बार अपनी रणनीति को और भी मजबूत किया है। टीम का लक्ष्य 2025 आईपीएल में एक और खिताब जीतना है।

टीम इस प्रकार है - रुतुराज गायकवाड़, पथिराना, शिवम दुबे, नूर अहमद, रविन्द्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, खलील अहमद, रचिन रवींद्र, एमएस धोनी, राहुल त्रिपाठी, अंशुल कंबोज, सैम करन।

धवन बोले घरेलू क्रिकेट के साथ पर्याप्त आराम की भी जरुरत

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि घरेलू क्रिकेट खेलना जरुरी है पर इसके साथ ही खिलाड़ी को आराम भी दिया जाना चाहिये। ऐसे में इसपर अमल करते समय संतुलित रवैया अपनाया जाना चाहिये जिससे कि खिलाड़ियों पर अनावश्यक बोझ न पड़े। हाल में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया था। धवन ने सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट को अनिवार्य बनाने के फैसले का तो समर्थन किया पर कहा कि इसमें देखा जाना चाहिये कि खिलाड़ियों को थकान नहीं हो। धवन भारत और पाकिस्तान मैच देखने भी यहां पहुंचे थे। धवन मैच देखने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में भी गए थे। धवन ने कहा, 'यह अच्छी बात है कि मौजूदा खिलाड़ी घरेलू मैच भी खेला रहे हैं जैसे की हाल में विराट ने दिल्ली की ओर से रणजी मैच खेला था। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद सभी खिलाड़ियों को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलने को कहा। इसक बाद रोहित शर्मा, विराअ कोहली जैसे खिलाड़ी रणजी मैच खेलते दिखे।

धोनी जैसा कोई व्यक्ति भी इस पाकिस्तानी टीम की मदद नहीं कर सकता: सना मीर

कराची (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी महिला कप्तान सना मीर ने चैंपियंस ट्रॉफी से जल्दी बाहर होने के लिए पुरुष क्रिकेट टीम की आलोचना करने वालों में शामिल होते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा भी कोई खिलाड़ी इस मुश्किल दौर से गुजर रही टीम की किस्मत नहीं बदल सकता। न्यूजीलैंड और चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से शर्मनाक हार के बाद मेजबान पाकिस्तान आठ टीमों की मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया।

'गेम ऑन है' कार्यक्रम में मीर ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी टीम में चुने गए 15 खिलाड़ी, भले ही आप एमएस धोनी या (पूर्व पाकिस्तानी कप्तान) यूनिस खान को कप्तान बना दें कोई भी टीम के साथ कुछ नहीं कर सकता क्योंकि यह टीम खेल की परिस्थितियों के आधार पर नहीं चुनी गई है।'

मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तानी टीम को दुबई में भारत से छह विकेट से मिली हार के लिए पाकिस्तान में प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ा। 39 वर्षीय क्रिकेटर से कमेंटेटर बनी इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं मैच देख रही थी, तभी मुझे एक दोस्त का संदेश मिला कि भारत ने 2 विकेट पर 100 रन बना लिए हैं। इसलिए जब टीम की घोषणा की गई, तो मैंने कहा कि मैच खत्म हो गया है।'

मीर ने कहा कि पाकिस्तान ने परिस्थितियों के आधार पर टीम का चयन नहीं किया है। उन्होंने, 'जब हमने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी, तब हम आधा टूर्नामेंट हार चुके थे, और मैं यह पहले दिन से ही कह रहा हूं। वे (चयनकर्ता) जानते थे कि पाकिस्तान को दुबई में कम से कम एक मैच खेलना है, तो आप दो अंशकालिक स्पिनर कैसे लाए। अबरार (अहमद), जो अभी भी एकदिवसीय क्रिकेट में नए हैं... पिछले 5 महीनों में 165 रन देकर दो विकेट लिए हैं। चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली दो श्रृंखलाओं में खेलने वाले प्रमुख खिलाड़ियों को हटा दिया।'

उन्होंने कहा, 'अबरार ने भारत के खिलाफ 10 ओवर में सिर्फ एक विकेट लिया, हालांकि वह पाकिस्तान के गेंदबाजों में सबसे किफायती रहे और उन्होंने 28 रन दिए। इरफान (खान) नियाजी

एक अच्छे फील्डर थे, उन्होंने अच्छी पावर-हिटिंग दिखाई (दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज में)... इसलिए, जब हमने टीम की घोषणा की तो हम टूर्नामेंट हार गए।'

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने की टीम में बदलाव की मांग, शोएब ने बाबर को धोखेबाज बताया

-हफीज बोले, शाहीन, हारिस और नसीम को बाहर करें

लाहौर। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के खिलाफ पाकिस्तान को मिली करारी हार के बाद ही पूर्व क्रिकेटर बेहद गुस्से में हैं। जावेद मियांदाद से लेकर शोएब अख्तर जैसे दिग्गजों ने कहा है कि टीम में बदलाव किया जाये। इन दिग्गजों का कहना है कि पाकिस्तान की टीम भारत के खिलाफ एक बार भी दबाव नहीं बना पायी। पूर्व क्रिकेटरों ने बाबर आजम की सबसे अधिक आलोचना की है। इनका कहना है कि बाबर धोखेबाज है। वह कभी भी भारतीय टीम के खिलाफ रन नहीं बनाता। वहीं पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने अभी तक टीम की हार को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। पूर्व खिलाड़ियों ने टीम की रणनीति और योजनाओं की आलोचना की है। अकरम ने साल 2026 टी20 विश्व कप से पहले सफेद गेंद की टीम में बदलाव की मांग की है। शोएब अख्तर ने तो बाबर आजम को धोखेबाज करार दिया है। वहीं पूर्व कप्तान और कोच रहे मुहम्मद हफीज ने तीनों तेज गेंदबाजों शाहीन अफरीदी, हारिस राउफ और नसीम शाह को टीम से बाहर करने को कहा है। अकरम ने ऑफ स्पिनर अबरार अहमद के शुभमन गिल को आउट करने के बाद बाहर जाने का इशारा करने को भी गलत बताया।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में भारतीयों सहित 260 विदेशियों को गुलामी से बचाया

बैंकॉक, एजेंसी। थाइलैंड में भारतीयों सहित 260 विदेशियों को सेना ने वर्चुअल गुलामी से बचा लिया। अब उन्हें वापस उनके देश भेजने की कार्रवाई की जा रही है। माना जा रहा है कि इन लोगों को मानव तस्करी के लिए मजबूर किया गया और इसने वर्चुअल गुलामी करवाई जा रही थी। वर्चुअल गुलामी में लोगों से ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले केंद्रों में जबरन काम कराया जाता है। सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि इन लोगों को म्यांमार से थाइलैंड भेजा गया था।

यूरोप जा रहे अमेरिकी विदेश मंत्री का विमान बीच रास्ते से वापस लौटा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और सीनेट के विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष जिम रीच को लेकर जर्मनी के म्यूनिख जा रहा अमेरिकी वायुसेना का एक विमान बीच रास्ते से ही अमेरिका वापस लौट आया। दरअसल उड़ान के दौरान पायलट को विमान में तकनीकी खराबी का पता चला, जिसके बाद एहतियातन विमान वापस वॉशिंगटन लौट आया। रूबियो, रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर म्यूनिख में हो रही बैठक में शामिल होने जा रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रूबियो अब दूसरे विमान से म्यूनिख जाएंगे। हालांकि अभी ये तय नहीं है कि रूबियो कब म्यूनिख के लिए उड़ान भरेंगे। हालांकि शुक्रवार सुबह म्यूनिख में होने वाली बैठक में रूबियो शामिल नहीं हो पाएंगे। आज रूबियो, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच अहम बैठक होनी थी, लेकिन अब रूबियो इसमें शामिल नहीं होंगे।

विदेशी मदद पर लगी रोक अस्थायी तौर पर हटाने का आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय अदालत के एक जज ने ट्रंप प्रशासन से विदेशी मदद के तहत अस्थायी फंड जारी करने का आदेश दिया है। दो स्वास्थ्य संगठनों की अपील पर संघीय जज आमिर अली ने यह आदेश पारित किया। आदेश में ट्रंप प्रशासन से विदेशी मदद के लिए फंड जारी करने पर लगी तीन हफ्ते की रोक को अस्थायी तौर पर हटाने का आदेश दिया गया है।

खैबर पख्तूनख्वा में सरकारी अधिकारियों का अपहरण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने दो सरकारी अधिकारियों और चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष का अपहरण कर लिया। पुलिस उपायुक्त नासिर खान ने कहा कि सीमा शुल्क अधीक्षक निसार अब्बासी, निरीक्षक खुशाल और वजीरिस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सैफ-उर-रहमान को दक्षिण वजीरिस्तान जिले के सीमा बिंदु अंगूर अड्डा स्थित सीमा शुल्क कार्यालय से लौटते समय शोलम से अपहरण कर लिया गया है। इन लोगों की बरामदगी के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अभी तक किसी भी समूह ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है।

पूर्वी कांगो में हथियारबंद व्यक्तियों ने सैकड़ों बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया

डाकार, एजेंसी। कांगो के पूर्वी क्षेत्र में हथियारबंद व्यक्तियों ने सैकड़ों बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया और बड़ी संख्या में बच्चों को बाल सैनिकों के रूप में भर्ती किया। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने यह बात कही। खनिज से समृद्ध इस क्षेत्र में हाल के सप्ताह में संघर्ष और ज्यादा बढ़ गया है। यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने एक बयान में कहा, ''हमें उत्तर और दक्षिण किवु प्रांत में संघर्ष का सामना कर रहे लोगों द्वारा बच्चों के साथ किए गए गंभीर उल्लंघनों की भयावह जानकारियां मिली हैं, जिनमें दुष्कर्म और अन्य प्रकार की यौन हिंसा की शिकायतें शामिल हैं। हाल के वर्षों में हमने पहले कभी यह स्तर नहीं देखा था।'' रसेल ने कहा, ''एक मां ने हमारे कर्मचारियों को बताया कि कैसे उसकी छह बेटियों में से सबसे छोटी बेटी (12) के साथ हथियारबंद व्यक्तियों ने बलात्कार किया।'' कांगो गणराज्य में यूनिसेफ की संचार प्रमुख लियान ने एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े लोगों ने 27 जनवरी से दो फरवरी के बीच दुष्कर्म के 572 मामलों की सूचना दी, जो पिछले सप्ताह की तुलना में पांच गुना अधिक हैं।

जर्मनी में हो गया बड़ा हमला, भीड़ को रौंदते चली गई कार

म्यूनिख, एजेंसी। जर्मनी के म्यूनिख शहर में गुरुवार को हमला हुआ है, जहां एक कार भीड़ भरे इलाके में लोगों को रौंदते हुए चली गई। इस घटना में कम से कम 20 लोग घायल हो गए। सुबह करीब 10.30 बजे हुई इस घटना के बाद शहर के सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पास बड़े पैमाने पर पुलिस अभियान चलाया गया। जर्मन मीडिया ने बताया कि आरोपी की पहचान अफगानिस्तान के एक व्यक्ति के रूप में की गई, जिसे घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पहले कहा था कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है और उससे आगे कोई खतरा नहीं है। हालाँकि, उन्होंने तुरंत यह स्पष्ट नहीं किया कि दुर्घटना जानबूझकर की गई थी या कोई दुर्घटना थी। घटनास्थल पर एक क्षतिग्रस्त मिनी कूपर देखा गया और घटना का कारण निर्धारित करने के लिए जांच जारी है।

आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। म्यूनिख के मेयर डाइटर रेइटर ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और पुष्टि की कि घायलों में बच्चे भी शामिल हैं। उस समय सेवा कर्मचारी संघ वर्डी द्वारा एक प्रदर्शन हो रहा था, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि पीड़ितों में प्रदर्शनकारी भी थे या नहीं। यह घटना म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले हुई है, जो अंतरराष्ट्रीय नेताओं और सुरक्षा अधिकारियों की एक प्रमुख सभा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की शहर में आने वाले हाई-प्रोफाइल उपस्थित लोगों में से हैं। पूरे म्यूनिख में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है क्योंकि अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। पुलिस ने 24 साल के हमलावर को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ड्राइवर का नाम फरदाह बताया जा रहा है। वह 2016 में जर्मनी आया था। उस पर इस्लाम विरोधी प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस अफसर समेत 6 लोगों को चाकू मारकर घायल करने का आरोप है।

पुलिस ही घटनास्थल से मिनी कूपर कार को बरामद किया है। फायर सर्विस के मुताबिक घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। पुलिस को शक है कि यह हमला जानबूझकर किया गया है। वहीं, म्यूनिख के मेयर डाइटर राइटर ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और बताया कि घायलों में बच्चे भी शामिल हैं।

हमलावर पर नशीले पदार्थों की तस्करी का आरोप : बवेरिया के गृहमंत्री जोआचिम हरमन के मुताबिक पुलिस पहले से हमलावर को जानती थी। वह पहले नशीले पदार्थ की तस्करी और दुकान से सामान चुराने के आरोप में पकड़ा जा चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हमलावर मिनी कूपर कार चला रहा था। हमले के वक्त कार की रफ्तार 50 किमी प्रति घंटा थी। घटनास्थल से बरामद कार की फ्रंट विंडो पूरी तरह चकनाचूर हो गई थी। रिपोर्ट्स में यह दावा भी किया गया है कि हादसे में एक महिला की मौत हुई है। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के बाद बीएनपी ने शेख हसीना को वापस भेजे जाने की उम्मीद जताई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने कहा कि उसे उम्मीद है कि भारत उनकी प्रतिद्वंद्वी शेख हसीना को वापस उनके देश भेजेगा, ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। बीएनपी का यह बयान संयुक्त राष्ट्र की एक तथ्यान्वेषण रिपोर्ट में किए गए उस दावे के एक दिन बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि पिछले साल प्रदर्शनकारियों पर ''सुनियोजित तरीके से हमलों और हत्याओं के जरिये सत्ता में बने रहने की कोशिश की गई थी।''

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो भारत को पिछले साल हसीना के प्रत्यर्पण के लिए किए गए अनुरोध का एक अनुस्मारक भेजा जाएगा। हसीना की अवामी लीग पार्टी के लगभग 16 साल लंबे शासन का पांच अगस्त 2024 को छात्रों के आंदोलन के बाद पतन हो गया था, जिसके चलते वह बांग्लादेश छोड़ भारत चली गई थीं।

बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि सामूहिक हत्याएं, मानवाधिकारों का उल्लंघन और लोकतंत्र तथा संस्थाओं का विनाश हसीना के आदेश पर किया गया था, और रिपोर्ट से यह साबित हुआ है कि ''हसीना एक फासीवादी हैं, जिन्होंने इस देश के लोगों को प्रताड़ित किया।'' आलमगीर ने कहा, ''हम आज भारत सरकार से हसीना और उनके साथियों को तुरंत बांग्लादेश भेजने और उन्हें मुकदमे का सामना करने के लिए सरकार को सौंपने का आह्वान करते हैं।

दक्षिण-एशिया मामलों में अमेरिकी राजनयिक नामित हुए पॉल कपूर

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण एशियाई सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञ पॉल कपूर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण एशियाई मामलों के लिए सहायक विदेश मंत्री के रूप में नामित किया है। अगर कपूर को सीनेट से मंजूरी मिल जाती है तो वह डोनाल्ड लू की जगह लेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जनवरी में पुष्टि की थी कि दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू का कार्यकाल 17 जनवरी, 2025 को समाप्त हो गया है। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों का ब्यूरो अमेरिका की विदेश नीति और अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ अमेरिकी संबंधों से जुड़े मामलों को देखता है। भारतीय मूल के कपूर वर्तमान में 'यूनाइटेड स्टेट्स नेवल पोस्टग्रेजुएट स्कूल' के राष्ट्रीय सुरक्षा मामला विभाग में प्रोफेसर हैं।

एक बार फिर तुर्की के राष्ट्रपति ने छेड़ा कश्मीर मुद्दा, शहबाज ने गाजा से की तुलना

अंकारा, एजेंसी। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा कि कश्मीर मुद्दे को कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति एर्दोगन दो दिवसीय यात्रा पर पाकिस्तान में हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के साथ एक-पर-एक और प्रतिनिधिमंडल वार्ता के बाद ये टिप्पणियाँ कीं। नेताओं ने दोनों पक्षों के बीच 24 समझौतों और एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह भी देखा। इसके बाद, उन्होंने अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त करते हुए मीडिया में बयान पढ़ा, इस दौरान एर्दोगन ने काश के बारे में भी बात की। भारत ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख देश का अभिन्न अंग थे, हैं और 'हमेशा रहेंगे'। भारत द्वारा 5 अगस्त, 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आ गई है। अपने बयान में राष्ट्रपति एर्दोआन ने पाकिस्तान के साथ संबंधों को बढ़ावा देने में भी गहरी दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने कहा, हमारी परिषद के सातवें सत्र में, जिसे हमने अभी-अभी समाप्त किया है, हम अपने संबंधों को और मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। इस यात्रा के दौरान, हमने व्यापार, जल संसाधन, कृषि, ऊर्जा, संस्कृति, परिवार और सामाजिक सेवाओं के साथ-साथ

विज्ञान, बैंकिंग, शिक्षा, रक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में कुल 24 समझौतों और सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान तुर्किये के नेता का दूसरा घर है और यहां पांच साल बाद उनका फिर से आना अद्भुत है। उन्होंने भूकंप और बाढ़ के दौरान पाकिस्तान के साथ खड़े रहने के लिए तुर्किये का आभार जताया। शहबाज ने कहा कि आज आपकी पाकिस्तान यात्रा ने हमारे भाईचारे के संबंधों को एक नया ऊंचाई दी है।

भारतीय साइकिलिस्ट को मिनी बस ने कुचला, मौत : चिली, एजेंसी। सबसे तेज 10 हजार किलोमीटर की यात्रा का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के प्रयास में वाहन की चपेट में आने से भारतीय साइकिलिस्ट मोहित कोहली (36) की मौत हो गई। स्थानीय ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मोहित को बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे (स्थानीय समयानुसार) पोजो अलमोंटे कम्यून में रूट संख्या पांच पर एक मिनी बस ने कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय समाचार पोर्टल के अनुसार, साइकिल चालक ने 22 जनवरी को कार्टाजेना से अपनी यात्रा शुरू की और 10,000 किलोमीटर की यात्रा दौरान वह कोलंबिया, पेरू, इक्वाडोर को पार कर चिली से गुजर रहे थे। यातायात दुर्घटना जांच अनुभाग (एसआईएटी) के लेफ्टिनेंट एलेक्सिस गुटिरेज कोरबालन ने बताया कि मोहित गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई। बता दें कि कोहली सोशल मीडिया पर अपनी यात्रा का विवरण दे रहे थे, जिसके अनुसार उनका लक्ष्य कोलंबिया के कार्टाजेना से अर्जेंटीना के उशुआइया तक सबसे तेज साइकिलिंग रिकॉर्ड बनाना था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वेबसाइट के अनुसार, दक्षिण अमेरिका की सबसे तेज यात्रा करने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रिया के माइकल स्ट्रैसर ने बनाया था और उन्होंने 2018 में यह दूरी तय करने में 41 दिन और 41 मिनट लगे थे।

जुकरबर्ग बोले-पाकिस्तान में मुझे मौत की सजा होने वाली थी: ईशनिंदा का आरोप था

फेसबुक यूजर की पोस्ट से छिड़ा था विवाद

इस्लामाबाद, एजेंसी। फेसबुक के को-फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने एक इंटरव्यू में बताया कि एक बार उन्हें पाकिस्तान में मौत की सजा सुनाई जाने वाली थी। किसी यूजर ने फेसबुक पर प्रोफेट मोहम्मद की तस्वीर पोस्ट की थी, जिसे लेकर पाकिस्तान में उनके खिलाफ मुकदमा दायर किया गया था। मंगलवार को एक इंटरव्यू में जुकरबर्ग ने कहा कि इस मामले में पाकिस्तानी सरकार से अपील की गई थी कि वो जुकरबर्ग को ईशनिंदा के लिए व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार ठहराए। जुकरबर्ग ने बताया कि मेरा पाकिस्तान जाने कोई इरादा नहीं था, इसलिए मैं ज्यादा परेशान नहीं था। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि यह घटना किस साल हुई थी।

यह खुलासा ऐसे वक्त में हुआ है जब मेटा (फेसबुक की पैरेंट कंपनी) और पाकिस्तानी सरकार के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है। पाकिस्तान में फेसबुक पर आरोप है कि वह देश के ईशनिंदा कानूनों का उल्लंघन करने वाले कंटेंट की अनुमति दे रहा है। जुकरबर्ग ने बताया कि दुनिया में कई जगहों पर अभिव्यक्ति की आजादी के मूल्य हमारे मूल्यों से काफी अलग हैं। ये देश चाहते हैं कि हम उन चीजों पर कार्रवाई करें और और प्रतिबंध लगाएं जो उनके यहां मान्य नहीं हैं।

पाकिस्तान में ईशनिंदा पर मौत की सजा तक का प्रावधान : पाकिस्तान में दुनिया का सबसे कड़ा ईशनिंदा कानून है। यहां पर कुरान या पैगम्बर का अपमान करने पर आजीवन कारावास से लेकर मौत की सजा तक हो सकती है। हालांकि मौत की सजा सुनाए जाने के बावजूद देश में किसी को फांसी नहीं मिली है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक 1990 के बाद से अब तक 80 से ज्यादा लोगों को ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने मार डाला है। कई बार ऐसा होता है जब कुरान या पैगम्बर के अपमान करने की अफवाह मात्र से किसी भी जगह पर हजारों लोगों की भीड़ जुट जाती है और आरोपी पर हमला बोल देती है।

बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों पर नियंत्रण नहीं, लालोन फकीर स्मृति समारोह रोका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों पर सरकारी नियंत्रण नहीं है। इन गुटों ने दार्शनिक व सूफी संत लालोन फकीर की स्मृति में आयोजित होने वाला समारोह रद्द करा दिया। बांग्लादेश के सबसे बड़े इस्लामी समूह हिफाजत-ए-इस्लाम की आपत्ति पर इसे रद्द करना पड़ा। फकीर लालोन सैजी की 134वीं पुण्यतिथि मनाई जानी थी। इनकी विचारधारा से रवींद्रनाथ टैगोर भी प्रभावित रहे हैं। बिबरतन सांस्कृतिक केंद्र ने भी घटना की निंदा की है। केंद्र के महासचिव मोफिजुर रहमान लाल्टू ने कहा, 5 अगस्त को फासीवादी हसीना सरकार के पतन के बाद से कट्टरपंथी देश की सियासत और सांस्कृतिक मामलों में हावी हैं। अंतरिम सरकार इन जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का संकेत नहीं दे रही है। जातिवाद, नस्ली संघर्ष के विरुद्ध थे लालोन फकीर लालोन के दर्शन में जाति, वर्ग और पंथ के सभी भेदों को खारिज किया गया है। वह धार्मिक संघर्षों और नस्लवाद के खिलाफ रहे थे। उनके अनुयायी भी कट्टरपंथ के खिलाफ हैं। इसी बात से बांग्लादेश के इस्लामी संगठन खफा हैं और उन्होंने ऐसे समारोह को ही रद्द करने का फरमान सुना दिया। वे लालोन फकीर का अस्तित्व खत्म करना चाहते हैं। मानवाधिकार समूह ने कहा, सरकारी एजेंसियां निष्पक्ष रहें अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार निगरानी संस्था (एचआरडब्ल्यू) ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया है कि देश में सुरक्षा बलों को निष्पक्ष रूप से काम करने दिया जाए। उसने कहा कि सियासी हिंसा से निपटने में कानून का शासन को बनाए रखा जाए। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए, एचआरडब्ल्यू ने कहा, अगस्त 2024 में पीएम शेख हसीना की सरकार को हटाने के बाद हुई अशांति के दौरान कई हत्याएं, यातनाएं और सामूहिक गिरफ्तारियां हुईं।

व्हाइट हाउस में बैठक के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी के लिए कुर्सी खींची

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (स्थानीय समय) को वाशिंगटन डीसी स्थित व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया. वेस्ट विंग लॉबी में एक-दूसरे का अभिवादन करते हुए दोनों नेताओं ने गले मिलकर खुशी जाहिर की. इस दौरान पीएम मोदी के बैठने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुर्सी खींची और उन्हें सम्मान पूर्वक स्थान ग्रहण करने को कहा.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्हाइट हाउस में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि भारत अमेरिकी परमाणु प्रौद्योगिकियों को भारतीय बाजार में लाने के लिए अपने कानूनों में सुधार कर रहा है. इसके बाद एलन मस्क के साथ कारोबारी सौदे के सवाल पर पीएम मोदी ने कहा हल्के फुलके अंदाज में कहा कि केवल ट्रंप के पास डील शब्द का कॉपीराइट है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से व्हाइट हाउस में पत्रकारों ने पूछा कि क्या अरबपति उद्यमी एलन मस्क के साथ मुलाकात के दौरान उन्होंने कोई कारोबारी सौदा किया है, जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि दुनिया में डील शब्द पर केवल एक व्यक्ति का कॉपीराइट है और वह ट्रंप हैं.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमारे बीच बहुत पुराना रिश्ता है. मैं उन्हें (एलन मस्क) तब से जानता हूं, जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था. वह आज अपने परिवार के साथ मुझसे मिलने आए थे. जहां तक किसी भी डील की बात है, दुनिया में डील शब्द पर केवल एक व्यक्ति का कॉपीराइट है और वह ट्रंप हैं. इससे पहले दिन में पीएम मोदी ने अमेरिका की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान मस्क से मुलाकात की. यह सवाल उन खबरों के मद्देनजर आया है, जिनमें कहा गया था कि मस्क भारत में स्पेसएक्स के स्टारलिंक को लॉन्च करने की कोशिश कर रहे हैं.

बांग्लादेश से जुड़े मामले में अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती, कहकर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने याचिका खारिज की

नई दिल्ली । देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने लुधियाना स्थित भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष और इस्कॉन मंदिर संचालन बोर्ड के उपाध्यक्ष राजेश ढांडा द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से मना कर दिया, जिसमें बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों पर लक्षित हिंसा से हिंदुओं की सुरक्षा की मांग की गई थी। सीजेआई खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने सुनवाई शुरू होते ही विदेशी मामलों और पड़ोसी देश के आंतरिक घटनाक्रमों के मुद्दों में हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई खन्ना ने कहा, यह विदेश का मामला है और यह अदालत दूसरे देश के मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकती है? सुनवाई कर सीजेआई ने कहा, यह बहुत अजीब होगा अगर यह अदालत दूसरे देश के मामले में हस्तक्षेप करेगी। उन्होंने कहा, हम कैसे मामले में दखल दे दें, वह हमारा पड़ोसी देश है, उसके मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। इसके बाद पीठ की सलाह पर याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने जनहित याचिका वापस ले ली। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता ने हिन्दुओं की सुरक्षा की मांग के अलावा बांग्लादेश से भागकर आए हिंदुओं के लिए नागरिकता के लिए आवेदन देने की समय सीमा बढ़ाने की भी मांग की थी। अर्जी में भारतीय विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को बांग्लादेश में स्थित उच्चायोग के माध्यम से बांग्लादेश में निवासरत हिंदू अल्पसंख्यकों को मदद देने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। इसके अलावा पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार बांग्लादेश पर वैश्विक दबाव बनाने की मांग भी की गई थी।

मौसम बदलेगा मिजाज, कई राज्यों में बरसेंगे बादल ; दिल्ली-यूपी का क्या होगा हाल?

नई दिल्ली। देश के कुछ राज्यों में मौसम विभाग की तरफ से बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक पूरे उत्तर भारत में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। आईएमडी ने उत्तर-पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ इस अवधि के दौरान जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को प्रभावित करेगा। इसके अलावा, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भी 26 से 28 फरवरी के बीच हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 25 फरवरी को सुबह हल्की धुंध रह सकती है, अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री रहेगा। वहीं 26 फरवरी को हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 27 फरवरी को तेज बारिश और गरज-चमक के साथ मौसम ठंडा रहेगा और अधिकतम तापमान 25-27 डिग्री तक गिर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश और बर्फबारी होगी। वहीं हिमाचल प्रदेश में 26 से 28 फरवरी और उत्तराखंड में 27 और 28 फरवरी को भारी बर्फबारी की संभावना है। मैदानी इलाकों में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 26 फरवरी से 1 मार्च तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि और आंधी-तूफान की भी चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, बिहार, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में दिन का तापमान 1-4 डिग्री सेल्सियस तक गिरा है। वहीं उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में भी कुछ इलाकों में हल्की ठंड महसूस की गई है। राजस्थान, झारखंड, कोंकण और तटीय आंध्र प्रदेश में दिन का तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री अधिक दर्ज किया गया।

लावारिस बैग को खोलने पर हुआ धमाका, 4 लोग हुए घायल

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले में सड़क किनारे पड़े लावारिस बैग को खोलने के दौरान विस्फोट हो गया। जिससे दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। वहीं, विस्फोट वाले स्थल को सीज कर दिया गया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने सबूत एकत्र कर लिए हैं और आगे की जांच जारी है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। घटना के बाद आसपास हड़कंप मच गया। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को सील कर दिया और जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि बिहार के कटिहार जिले में एक बैग के अंदर रखे विस्फोटक में विस्फोट होने से दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। यह घटना बलरामपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत लाथौर गांव में हुई। पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा ने बताया कि कम तीव्रता वाला विस्फोट सोमवार दोपहर करीब 1 बजे लाथौर गांव में हुआ. यहां सड़क किनारे रखे एक लावारिस बैग को कुछ लोग खोलने की कोशिश कर रहे थे।

भाजपा ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बना दिया : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में बड़ा बयान दिया है जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बना दिया है और स्त्री, संतों, धर्माचार्यों और गरीबों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि कुंभ की व्यवस्था के लिए केन्द्र और प्रदेश सरकारें को दो लाख करोड़ रूपये का कार्प्स फण्ड बनाना चाहिए ताकि गरीबों को उनकी सुविधा सुनिश्चित हो सके। उनके बयान के साथ ही उन्होंने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की लड़ाई को भी उठाया और कहा कि इससे आम जनता को ठगा महसूस हो रहा है।

चाहे कोई नाराज हो या खुश, मैं भ्रष्ट लोगों की नियुक्ति को मंजूरी नहीं दूंगा

-महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने मंत्री कोकाटे के बयान का दिया जवाब

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने साफ कर दिया है कि वह मंत्रियों के कहने पर किसी भ्रष्ट निजी सहायकों और विशेष कार्य अधिकारी की नियुक्तियों को मंजूरी नहीं देंगे। कृषि मंत्री और अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता माणिकराव कोकाटे के बयान का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि चाहे कोई नाराज हो, लेकिन जिन अफसरों पर भ्रष्टाचार या गलत कामों के आरोप लगे हैं, उन्हें वह नियुक्त करने की मंजूरी नहीं देंगे।

बता दें माणिकराव कोकाटे ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि अब मंत्रियों के पीए और ओएसडी की नियुक्ति भी सीएम तय कर रहे हैं, जिससे उनके पास खुद के फैसले लेने की गुंजाइश नहीं है। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। इसके जवाब में सीएम फडणवीस ने कहा कि राज्य में मंत्रियों के पीए और विशेष कार्य अधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार सीएम के पास होता है। कोकाटे साहब को शायद यह जानकारी

नहीं है कि यह कोई नई परंपरा नहीं है। कैबिनेट बैठक में साफ कर दिया गया था कि मंत्री अपने सुझाव भेज सकते हैं, लेकिन अगर उन पर गलत कामों का ठप्पा लगा है, तो वह मंजूरी नहीं देंगे।

सीएम फडणवीस ने बताया कि मंत्रियों की ओर से कुल 125 नाम भेजे गए थे, जिनमें से 109 को हरी झंडी दी गई है, लेकिन जिन पर संदेह था, उन्हें मंजूरी नहीं मिली। उन्होंने साफ कहा कि मैंने बाकी नामों को क्लीयर नहीं किया क्योंकि उन पर आरोप हैं और कुछ मामलों में जांच भी चल रही है। चाहे कोई नाराज हो या खुश, मैं ऐसे नामों को पास नहीं करूंगा।

इस बीच महाराष्ट्र विधान परिषद की उपाध्यक्ष और शिंदे गुट की शिवसेना नेता नीलम गोहे द्वारा उद्धव ठाकरे पर की गई टिप्पणी और फिर संजय राऊत के पलटवार से राजनीति गरमा गई है। इस पर फडणवीस ने कहा कि ऐसे राजनीतिक बयानों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि साहित्य सम्मेलन में भी नफरत झलक रही है। वहां पीएम मोदी से लेकर उद्धव ठाकरे तक पर कटाक्ष किए गए है, लेकिन क्या ऐसे मंच का इस्तेमाल राजनीति के लिए करना सही है? उन्होंने यह भी कहा कि साहित्य मंचों पर सभी को संयम बरतना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर राजनीतिक नेता साहित्य सम्मेलनों में जाते हैं, तो उन्हें अपनी राजनीतिक बयानबाजी पर भी रोक लगानी चाहिए।

योगी को महाकुंभ के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए : ममता

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत होने का आरोप लगाते हुए मांग की कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों के परिवारों के लिए घोषित मुआवजा तत्काल जारी करे। बनर्जी ने इस दावे पर भी सवाल उठाया कि इस वर्ष महाकुंभ मेला 144 वर्षों के अंतराल के बाद हो रहा है तथा उन्होंने विशेषज्ञों से इस दावे की सत्यता की जांच करने का आग्रह किया। बनर्जी ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करती हूं कि चूंकि उन्होंने कुंभ मेले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है, इसलिए उन्हें तत्काल यह राशि जारी करनी चाहिए।'' उत्तर प्रदेश सरकार ने कुंभ मेले के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।

सीएम स्टालिन की चिंता, जनसंख्या नियंत्रण होने से संसद की सीटें घट सकती

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तमिलनाडु राज्य में जनसंख्या नियंत्रण के सफल उपायों के बाद संसद में सांसदों की संख्या में कमी को लेकर चिंता जाहिर की है। इस मुद्दे पर सीएम स्टालिन ने कहा, 'भारत का बड़ा लक्ष्य अपनी जनसंख्या को नियंत्रित करना था। तमिलनाडु ने इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। लेकिन अब हम एक ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां कम जनसंख्या के कारण तमिलनाडु में संसद की सीटें घट सकती हैं।'

स्टालिन ने जोर देकर कहा कि अगर जनसंख्या में कमी का यह सिलसिला जारी रहा, तब तमिलनाडु की संसद में प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है। वर्तमान में राज्य के 39 सांसद हैं, जो भविष्य में घटकर 31 तक रह सकते हैं।

इस बीच, बीजेपी नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने मुख्यमंत्री स्टालिन पर निशाना साधा। हाल ही में तमिलनाडु के पोल्लाची रेलवे स्टेशन पर नामपट्टियों पर हिंदी अक्षरों को कथित तौर पर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) कार्यकर्ताओं द्वारा काले

रंग से मिटाने की घटना के बाद उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी अब भाषा की राजनीति से फायदा नहीं उठा सकती।

सीएम स्टालिन को दी खुली चुनौती

तमिलिसाई ने कहा, मैं डीएमके कार्यकर्ताओं के रवैये की निंदा करती हूं, जिन्होंने हिंदी शब्दों को काले टार से मिटा दिया। यह सार्वजनिक संपत्ति है। उत्तर भारत से लोग भी इस राज्य में आते हैं। रेलवे सभी राज्यों को जोड़ता है। आपको हिंदी शब्दों को मिटाने का क्या अधिकार है? मैं स्टालिन को खुली चुनौती देती हूं कि वे बताएं कि उनके और उनके मंत्रियों के परिवारों के कितने बच्चे सिर्फ दो भाषाएं सीख रहे हैं। और आपके सभी मंत्री, जिनमें आपके परिवार के लोग भी शामिल हैं, सीबीएसई स्कूल क्यों चला रहे हैं?'

दिल्ली में नई बीजेपी सरकार जल्द लॉन्च करेगी महिला समृद्धि योजना

-महिला समृद्धि योजना में किन महिलाओं को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई सरकार के गठन के बाद दिल्ली में महिला समृद्धि योजना की स्कीम जल्द लॉन्च हो सकती है। दिल्ली में बीजेपी सरकार इसके लिए तैयारियों में जुट गई है। इसको लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को लेकर बैठक की और योजना को लागू करने के लिए नियम एवं शर्तें तय करने को कहा। पीएम मोदी ने चुनाव के दौरान ऐलान किया था कि 8 मार्च को महिला दिवस पर दिल्ली की महिलाओं को इसकी पहली किस्त दी जाएगी। अब दिल्ली की सीएम रेखा ने इस बात को दोहराया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में वादा किया था कि इस योजना के तहत के गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। योजना को लेकर अभी नियम और शर्तें तय होना बाकी है। इससे पता चलेगा कि इस योजना का लाभ किसे मिलेगा और किसे नहीं।

फिलहाल यह साफ हो गया है कि जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति अच्छी है। उन्हें इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। यह योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिए है। यदि आप दिल्ली की मतदाता हैं और परिवार की आर्थिक हालत ठीक नहीं है तो योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होने से पहले कुछ जरूरी काम कर लें। इस योजना के तहत पैसे सीधे बैंक खाते में भेजे जाएंगे। इसलिए बैंक खाता आपके नाम होना जरूरी है।

यह भी तय किया गया है कि बैंक खाते के साथ आपका अपना पर्सनल मोबाइल नंबर जुड़ा हो। कई बार पुराना मोबाइल नंबर जुड़ा रहता है, यदि आपके साथ भी ऐसा है तो बैंक जाकर अपना नंबर अपडेट करा सकती हैं। अगर आपने बैंक खाते में लंबे समय से कोई लेनदेन नहीं किया है कि तो यह तय कर ले कि आपका अकाउंट चालू या नहीं। ब्रान्च में जाकर केवाईसी भी करा सकती हैं। अगर आपके आधार के साथ मोबाइल नंबर लिंक नहीं है या फिर अपडेट नहीं है तो ऐसा जरूर कर लें।

दिल्ली सरकार की यह योजना गरीब महिलाओं के लिए है। अभी यह साफ नहीं किया गया है कि इसके लिए आय की सीमा क्या होगी।

मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों की बीजेपी सरकारों ने यह सीमा 2.5 लाख रुपए सालाना रखी है। दिल्ली में अभी इसका ऐलान नहीं हुआ है। ऐसे में आपके परिवार की आमदनी कम है तो आय प्रमाणपत्र बनवाकर रख लें।

अब भारत और बांग्लादेश के बीच शुरु हुई नौंक झौंक, ये रही मूल वजह

नई दिल्ली/ढाका (एजेंसी)। अब भारत और बांग्लादेश के बीच तीखी नौंक झौंक भी शुरु हो गई है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान पर बांग्लादेश ने भी जवाब दिया है। बांग्लादेश ने कहा है कि हमारे मुल्क के अल्पसंख्यकों की चिंता भारत को नहीं होनी चाहिए। साथ ही बांग्लादेश ने भी भारत को संबंधों पर अपना रुख साफ करने के लिए कहा है। जयशंकर ने कहा था कि बांग्लादेश को साफ करना चाहिए कि वह भारत के साथ कैसा रिश्ता रखना चाहता है। अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा, जयशंकर ने एक बार फिर अल्पसंख्यकों के बारे में बात की है। हालांकि, अल्पसंख्यकों का मुद्दा मुख्य रूप से भारतीय मीडिया की तरफ से तोड़ मरोड़ की गई जानकारी से उठा है। सबसे जरूरी बात यह कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों का मुद्दा भारत की चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक बांग्लादेश का मुद्दा है। वैसे ही जैसे भारत अपने अल्पसंख्यकों के साथ कैसा बर्ताव करता है, यह भारत की चिंता है। तौहीद ने बयानों को लेकर कहा, जब यहां कि लोगऐसे टिप्पणियां कर रहे हैं, तो वहां भी लोग हैं जो ऐसा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उनके एक मुख्यमंत्री ने तो यह तक सलाह दे दी थी कि अगर संभव हो तो संयुक्त राष्ट्र की पीस कीपिंग फोर्स को बांग्लादेश भेजा जाना चाहिए। उनके एक केंद्रीय मंत्री लगातार बांग्लादेश विरोधी बयान देते रहते हैं। यह ठीक है। हमारा मानना है कि ऐसी चीजें चलती रहेंगी, लेकिन फिर भी हम अच्छे रिश्ते चाहते हैं। उन्होंने कहा, इस बात पर फोकस करना कि यहां और वहां कुछ लोग क्या कह रहे हैं, इससे बेहतर है कि हम हमारा रिश्ता मजबूत करने की ओर काम करें।

महाकुंभ में कुछ लोगों ने नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया

-सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए सीएम योगी पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बैगर कहा कि अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का खयाल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। अखिलेश ने सोमवार रात अपने आधिकारिक एक?स पर पोस्ट में कहा...लेकिन महाकुंभ में जिन्होंने अपनों को तलाशा, उन्हें हमेशा के लिए खो गए अपने परिजन का नाम न तो मृतकों की सूची में मिला और न ही खोया-पाया के रजिस्टर में।

पोस्ट में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा और उनको आत्म प्रचार का माध्यम मिला, लेकिन उन्होंने अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया और वाणी पर संतुलन को भी। सपा प्रमुख ने कहा कि 'महाकुंभ' जैसे पावन पर्व के संबंध में बोलते समय शब्दों का चयन, इस अवसर के मान और प्रतिष्ठा के अनुकूल होना चाहिए।

अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि महाकुंभ में कई बार जाकर भी जिनका

वैचारिक उद्धार नहीं हुआ, उनके पाप और पतन की सीमा भला कौन नाप सकता है। ऐसे कथनों से जिन सुधीजनों को ठेस पहुंची है, उनसे निवेदन है कि ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति की भावना रखें न कि आक्रोश की। ज्सन्मति दे भगवान! सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन?यवाद प्रस?ताव पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि कुंभ में जिसने जो तलाशा, उसे वही मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली, सुअरों को गंदगी मिली, संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली, आस्था वालों को पुण्य मिला, गरीबों को रोजगार मिला, अमीरों को धंधा मिला, श्रद्धालुओं को साफ-सुथरी व्यवस्था मिली, भक्तों को भगवान मिले। मतलब सबने अपने-अपने स्वभाव और चरित्र के अनुसार चीजों को देखा है। सीएम ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि जिन लोगों ने अपने समय में इस पूरे आयोजन को अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का शिकार बनाया था, आज वह महाकुंभ पर इस प्रकार की टिप्पणी करके भारत की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सुबह-सुबह 5.1 की तीव्रता वाला आया भूकंप, डोलने लगी धरती

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में आए दिन भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। अभी दिल्ली में तेज आवाज के साथ आए भूकंप की दहशत कम भी नहीं हुई थी कि मंगलवार सुबह 6ः10 बजे कोलकाता में 5.1 की तीव्रता वाले भूकंप ने झटके दे दिए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, इसका केंद्र बंगाल की खाड़ी में था। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। एनसीएस ने बताया कि भूकंप आज सुबह 6ः10 बजे 91 किलोमीटर की गहराई पर आया। अभी तक किसी तरह के जान और माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। वहीं मंगलवार सुबह ओडिशा के कई शहरों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी में स्थित था और इसका असर पुरी, बरहामपुर, बालासोर और भुवनेश्वर समेत कई इलाकों में देखा गया। नेशनल सेंटर फॉर सिसमोलॉजी के अनुसार, भूकंप पुरी से लगभग 286 किमी और बरहामपुर से 394 किमी दूर था। हालाँकि, इसकी गहराई

अधिक होने के कारण बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं आई है।

इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 17 फरवरी की सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र धौला कुआं के झील पार्क क्षेत्र में 5 किलोमीटर की गहराई में था और वहां कुछ लोगों को भूकंप के बाद तेज आवाजें सुनीं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक ओपी मिश्रा ने कहा कि धौला कुआं क्षेत्र में 2007 में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। हालांकि, इसका प्रभाव उतना तीव्र नहीं था क्योंकि केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। दिल्ली को भूकंपीय क्षेत्र-4 में रखा गया है, जो देश में दूसरा सबसे खतरे वाला क्षेत्र है। उत्तर भारत में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सबसे अधिक भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। भूकंप संभावित दूरस्थ और निकटस्थ स्थानों में भूकंप आने पर भी दिल्ली में झटके महसूस किए जाते हैं।

रविवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, भूकंप सुबह 8 बजकर 42 मिनट पर आया और इसकी तीव्रता 3.7 थी। इसका केंद्र मंडी क्षेत्र में 31.48 डिग्री अक्षांश और 76.95 डिग्री देशांतर पर था। सुंदरनगर क्षेत्र में कि आर्गी के पास भूकंप 7 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। मंडी जिला भूकंपीय क्षेत्र 5 में आता है, जो कि उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है।

2024 में 54 देशों ने 296 बार इंटरनेट किया बंद, भारत में 84 बार हुआ

-पाकिस्तान में 21, रूस में 13, यूक्रेन में 7 और बांग्लादेश में 5 बार शटडाउन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहली बार ऐसा हुआ है कि दुनिया में इंटरनेट बंद करने के मामले में भारत पहले नंबर पर नहीं है। हालांकि अभी दूसरा नंबर है। भारत में इंटरनेट शटडाउन में कमी आई है। मणिपुर हिंसा और पिछले साल हरियाणा के नूंह में साम्प्रदायिक हिंसा को हटा दें तो भारत में बहुत ही कम इंटरनेट बंद किया गया है। चिंता की बात यह है कि भारत अभी भी अपने पड़ोशी देशों से इस मामले में काफी पीछे है। 2018 के बाद पहली बार 2024 में भारत एक साल में इंटरनेट शटडाउन के मामले में दुनिया में आगे नहीं रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल म्यांमार में सबसे ज़्यादा 85 शटडाउन के आदेश दिए गए। भारत में पिछले साल 84 ऐसे आदेश लागू हुए थे।

बता दें दुनिया में इंटरनेट शटडाउन की कुल संख्या 2023 में 39 देशों द्वारा 283 शटडाउन से बढ़कर 2024 में 54 देशों द्वारा 296 शटडाउन हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार के ठीक पीछे भारत है। यहां 84 बार शटडाउन हुआ। भारत में संप्रदायिक संघर्ष, विरोध और अस्थिरता, सांप्रदायिक हिंसा, परीक्षाओं और चुनावों में नकल रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद की गईं। 41 इंटरनेट शटडाउन विरोध प्रदर्शनों से संबंधित थे। 23 सांप्रदायिक हिंसा से संबंधित थे। 2024 में 16 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इंटरनेट शटडाउन से प्रभावित थे, जिनमें मणिपुर (21), जम्मू-कश्मीर (12) और हरियाणा (12) सबसे आगे थे। रिपोर्ट में बताया है कि मणिपुर में जातीय तनाव एक प्रमुख कारण था।

भारत के बाद पाकिस्तान में 21 बार इंटरनेट बंद हुआ। रूस में 13 बार, यूक्रेन में 7 बार, फिलिस्तीन में 6 बार और बांग्लादेश में 5 बार। पाकिस्तान ने 8 फरवरी को चुनाव के दिन, देशभर में एक्स सिग्नल और ब्लूस्काई को ब्लॉक किया गया था और मोबाइल बंद कर दिया था। 8 देशों ने सीमा पार शटडाउन लगाया, जिससे 13 देश प्रभावित हुए। यूक्रेन में रूस द्वारा शटडाउन के 7 मामले दर्ज किए थे। ये यूक्रेन के इंटरनेट सेवा प्रदाताओं पर साइबर हमले और यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कम से कम छह बार मिसाइल हमलों के कारण इंटरनेट बाधित हुआ था।